INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety
BY
MR
GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-94 | मथुरा, शुक्रवार, 30 मई 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई से कर्मचारियों में मचा हड़कंप

राजस्व निरीक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एंटी करप्शन की टीम ने सदर तहसील में राजस्व निरीक्षक को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए छापा मारकर रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से तहसील कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। तहसील के कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार से जनता दुखी है। कर्मचारियों द्वारा हर काम को करने के लिए लोगों से रिश्वत मांगी जाती है। बिना रिश्वत के लोगों के काम नहीं हो रहे हैं। रिश्वत न मिलने पर

राजस्व निरीक्षक नरेंद्र सिंह तरकर।

कामों को लटका दिया जाता है। इसी प्रकार एक व्यक्ति की जमीन की पैमाइश करने के लिए राजस्व

जमीन की पैमाइश के लिए ले रहा था दस हजार की रिश्वत

टीम उसे अपने साथ ले गई

निरीक्षक नरेंद्र सिंह तरकर द्वारा दस हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी। इस परेशान व्यक्ति ने एंटी करप्शन आगरा में शिकायत की। शिकायत पर आगरा से आई एंटी करप्शन की टीम ने सदर तहसील में अपना जाल फैलाया। इसके बाद किसान से रिश्वत की रकम लेने के लिए राजस्व निरीक्षक तहसील की छत पर पहुंच गए। जैसे ही राजस्व निरीक्षक ने पैसे लिए एंटी करप्शन की टीम ने उन्हें धर लिया। राजस्व निरीक्षक को एंटी करप्शन टीम के धर लिए जाने की खबर तहसील में जंगल की आग की तरह फैल गई। कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। एंटी करप्शन की टीम राजस्व निरीक्षक को अपने साथ ले गई।

मुख्यमंत्री जी..कुछ आला अधिकारी रिसीव नहीं करते फोन

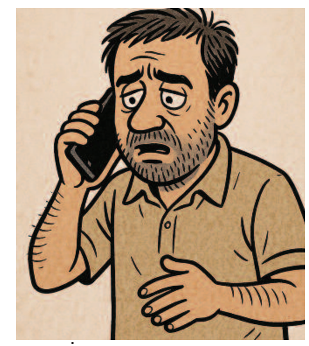

किसको बताए आम आदमी अपनी समस्या

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर की व्यवस्था को सुधारने के लिए डीएम, एसएसपी और नगर आयुक्त ने जमीनी स्तर पर जाकर गत दिनों शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने आम जनता के बीच जाकर स्थानीय लोगों को आए दिन होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल की। लेकिन जिले के कुछ आला अधिकारी इनकी तरह बन जाए तो भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में होने वाली समस्याओं से लोगों को छुटकारा मिल जाएगा।

इस पहल में यूनिक समय टीम ने जिले के अधिकारियों से लोगों की समस्याओं के बारे में जब जानकारी हासिल की तो कुछ अधिकारियों ने फोन उठाए तो कुछ अधिकारियों ने फोन नहीं उठाए, क्या कहे, अधिकारी इतने बिजी हो गए हैं, कि फोन तक नहीं उठा पा रहे हैं। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने पिछलें दिनों यह कहा था कि अधिकारी सभी का फोन उठाएंगे, नहीं तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। विकास प्राधिकरण के वीसी से 1.52 बजे जब फोन से बात की तो तुरंत ही फोन उठाया कहा कि मानचित्र के कागज पूरे होने पर 15 दिन के अंदर बनाकर दिया जाता है। कागज पूरे न होने पर मानचित्रों में परेशानी होती है। नगर निगम के अपर आयुक्त अनिल कुमार को 1.49 बजे फोन किया तो उन्होंने बताया कि शहर में लोगों के द्वारा किए जा रहे अतिक्रमणें को रोकने के लिए नगर निगम टीम सुबह से ही अपनी कार्यवाही में लग जाती है। उपजिलाधिकारी एवं डूडा अधिकारी अजीत कुमार के फोन नंबर पर 1.39 बजे बात की तो उन्होंने बताया कि इस समय प्रधानमंत्री आवासीय योजना वाली स्कीम चल रही है। उसमें लोगों द्वारा आवेदन किए जा रहे हैं। जिला चिकित्सा अधीक्षक नीरज अग्रवाल को एक बजे फोन किया तो उन्होंने बताया कि वह इस समय जिलाधिकारी के पास हैं।

गर्मी के मौसम में डायरियां जैसी बीमारी का कोई ज्यादा असर नहीं हुआ है, यदि मरीज ज्यादा बढ़े तो इसके पूरे इंतजाम किए गए है। वन विभाग के डीएफओ रजनीकांत मित्तल को 1 बज कर 32 मिनट पर फोन किया तो उन्होंने बताया कि गर्मी हो या सर्दी का मौसम, पेड़ों में जब पानी देने की जरूरत होती है, तब उनमें पानी के टैंकरों द्वारा पानी दिया जाता है।

इस जगह नगर, बम्बे या अन्य पानी देने की सुविधाएं होती है, उन जगहों पर एक आदमी रखकर पानी दिलाया जाता है। एआरटीओ राजेश राजपूत से 11 बजे फोन से वार्ता हुई तो उन्होंने कहा कि वह बाद में कॉल करेंगे, इस समय मीटिंग चल रही है।

पॉल्युशन अधिकारी पंकज कुमार यादव को 1 बज कर 56 मिनट पर जब दो बार फोन किया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। यह है, जिले के कुछ आला अधिकारियों की कमी।

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और न्यास प्रकरण

सेवायतों के आंदोलन की गूंज लखनऊ तक पहुंची

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने और न्यास (ट्रस्ट) के गठन की खबर के बाद मंदिर सेवायतों के आंदोलन और उसमें राजनीति दलों के कूदने से राजनीति पारा चढ़ने लगा। इसकी खबर लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंची तो अधिकारियों में खलबली मच गई। शुक्रवार को मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह, डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश ने ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के सेवायतों के साथ बैठक की। अधिकारियों ने गोस्वामियों से सुझाव मांगे। श्रद्धालुओं

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के सेवायतों से बातचीत करते कमिश्नर शैलेंद्र कुमार सिंह, डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश।

की सुविधा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्य में सहयोग एवं सामंजस्य बनाने पर जोर दिया। दोपहर को मंदिर के पट बंद होने पर जगमोहन में हुई बैठक में गोस्वामियों की ओर से हिमांशु गोस्वामी ने कहा कि गोस्वामी समाज बांकेबिहारी मंदिर न्यास, कॉरिडोर का विरोध कर रहा है। मंदिर के दानराशि

कमिश्नर, डीआईजी, डीएम और एसएसपी पहुंचे वृंदावन

मंदिर के सेवायतों के मन की बात सुनीं

से कॉरिडोर के लिए क्षेत्र के छोटे-बड़े मंदिरों, घरों को तोड़ा जायेगा। यह महापाप होगा। यह पाप हमारे ठाकुर के साथ हमें भी लगेगा। बैठक में अखिल गोस्वामी, मुकुंद गोस्वामी, चंद्रप्रकाश गोस्वामी, आशीष गोस्वामी, ध्रुव गोस्वामी, अतुल गोस्वामी, मयूर गोस्वामी, बलराम गोस्वामी, बंटी गोस्वामी, निखिल गोस्वामी, रवि गोस्वामी, मधुमंगल शुक्ला तथा कपिल गोस्वामी आदि मौजूद थे।

अंदर पढ़ें

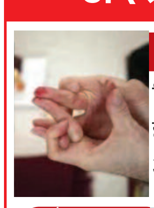

पेज-7
त्रिखंड मुद्रा लाती है मानसिक शांति और स्थिरता

पेज-10
जौनपुर में दर्दनाक बस हादसे में पांच की मौत, 15 घायल

पेज-11
सिक्किम की तीस्ता नदी में गिरी पर्यटकों से भरी गाड़ी

पेज-12
एसएक्सएस-4 कार में लगी आग परिवार ने कूद कर बचाई जान

तैयारी | अहिल्या बाई होल्कर की स्मृति में जारी होगा 300 रुपए का सिक्का

प्रधानमंत्री 31 मई को भोपाल में करेंगे अनावरण

यूनिक समय ब्यूरो

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर भारत सरकार 300 रुपए का स्मारक सिक्का जारी करने जा रही है। सिक्कों का संग्रहण और अध्ययन करने वाले बीकानेर के सुधीर लुणावत ने बताया कि अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर 31 मई को भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित वाले महिला सशक्तिकरण महा सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस खास सिक्के का अनावरण करेंगे।

23 मई को वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में गजट अधिसूचना भी जारी कर दी है। सुधीर के अनुसार इस

अहिल्या बाई होल्कर की स्मृति में जारी होने वाले सिक्के का चित्र।

सिक्के का वजन 35 ग्राम होगा, जिसमें चांदी की मात्रा 50 फीसदी होगी। सिक्के के एक तरफ मध्य भाग में अहिल्या बाईं होल्कर का फोटो होगा। जिसके ऊपरी परिधि पर हिंदी तथा निचली परिधि पर अंग्रेजी में अहिल्या बाईं होल्कर की 300वीं जयंती लिखा होगा। अहिल्या बाई के चित्र के बाएं और दाएं तरफ क्रमशः 1725-2025 लिखा होगा। सिक्के के दूसरी तरफ अशोक स्तम्भ के नीचे रुपए के प्रतीक चिन्ह के साथ मूल्य वर्ग 300 लिखा होगा। अशोक स्तम्भ के दाएं और बाएं हिंदी तथा अंग्रेजी में भारत लिखा होगा। बतौर सुधीर यह देश में जारी होने वाला ऐसा पहला सिक्का होगा जिसका मूल्यवर्ग 300 रुपए है। यह सिक्का कभी प्रचलन में नहीं आयेगा, इसे एक संग्रहणीय वस्तु की तरह सहेजकर रखने के लिए भारत सरकार की कोलकता टकसाल द्वारा बनाया जायेगा।

विशेष अनुरोध

यदि आपके आसपास कोई घटना होती है या कोई कार्यक्रम जिसे आप अपने विश्वसनीय समाचार पत्र यूनिक समय में प्रकाशित कराना चाहते हैं तो देर न करें। इस मोबाइल नंबर पर प्रेषित करें

यूनिक समय का नया व्हाट्सअप नंबर
8394983366

मथुरा में जलभराव स्थलों का निरीक्षण

बरसात से पहले शहर के सभी नाले, नालियों की सफाई हो : नगर आयुक्त

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने नगर निगम टीम के साथ शुक्रवार को शहर में होने वाली जलभराव की समस्याओं को लेकर स्थाई एवं अस्थाई जलभराव प्रभावित वाले स्थलों नया बस स्टैंड, छावनी रेलवे पुल के नीचे व रेलवे अंडरपास, भूतेश्वर रेलवे अंडरपास, बीएसए पुलिया, गुरु नानक नगर, महोली रोड आदि क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने अपने अधीनस्थों के साथ संबंधित स्थलों पर स्थल मैप एवं ड्रेनेज प्लान का अवलोकन करते हुए जलकल अधिकारी व नगर स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि बरसात से पहले जलभराव शहर के सभी ड्रेनेज सिस्टम की मैन्युअल एवं मैकेनाइज्ड सफाई 15 दिनों के भीतर पूर्ण कराई जाए। भैंस बहोरा क्षेत्र के सभी प्रमुख नाले व नालियों की भी सफाई कराने के निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले समय में किसी को भी कोई जलभराव व गंदगी से कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, महाप्रबंधक (जल) मोहम्मद अनवर ख्वाजा, मुख्य अभियंता सिविल अमरेंद्र गौतम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग, मुख्य सफाई निरीक्षक मुकेश शर्मा, सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर, जल निगम के अधिशासी अभियंता एवं नेचर ग्रीन कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान मैप का अवलोकन करते नगर आयुक्त जग प्रवेश।

डीएम साहब नहीं है फाइव जी मोबाइल

कैसे हो फोटो प्रमाणीकरण व लाभार्थी का ई केवाईसी

जिलाधिकारी कार्यालय पर डिप्टी कलेक्टर ऊषा सिंह को ज्ञापन देती हुई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां।

यूनिक समय, मथुरा। महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के तत्वावधान में जिले की आंगनबाड़ी कार्यकत्री आज अपनी सात सूत्रीय मांगों को हल कराने के लिए मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंची। डीएम कार्यालय पर डिप्टी कलेक्टर ऊषा सिंह ने ज्ञापन लिया। आश्वासन दिया कि जिलाधिकारी के माध्यम से समाधान कराया जाएगा। महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष आशा देवी की अगुवाई में आंगनबाड़ी कार्यकत्री जिलाधिकारी कार्यालय ज्ञापन देने पहुंची। डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन देने के बाद उन्होंने बताया कि आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को फोटो ऑनलाइन डिजिटल कार्यों को विभाग ने जबरन थोपा है। काम पूरा नहीं होने पर विभागीय अधिकारियों द्वारा धमकाया जा रहा है, जिससे उनको मानसिक तनाव हो रहा है। विभाग ने उनको फोर जी मोबाइल दिए हैं जबकि यह कार्य फाइव जी मोबाइल से पूरा होगा, जिससे उनको कार्य करने में परेशानी हो रही है। सरकार को यह कार्य कराना है तो कार्यकत्रियों को फाइव जी मोबाइल दिया जाए। संघ की शहर अध्यक्ष सुधा निर्वाण ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ई केवाईसी से मुक्त कराने, पुष्टाहार की धनराशि लाभार्थियों के सीधे खाते में देने, मोबाइल के रिचार्ज की बकाया तीन वर्ष की धनराशि को दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि एक वर्ष से नहीं मिली पीएलआई की धनराशि को दिलाने का आग्रह किया है। आंगनबाड़ी भवनों के बकाया किराये को दिलाने, आंगनबाड़ी केन्द्रों को ग्रीष्मकालीन अवकाश प्राथमिक विद्यालयों की तरह दिलाने की मांग की। ज्ञापन देने वाली कार्यकत्रियों में राधा, हेमवती, स्नेहलता, ब्रजवाला, विद्या देवी, अनूपलता, प्रीति, विजय लक्ष्मी, ऊषा, रीना, नीरज, सुंदरी तथा कमलेश शर्मा आदि शामिल थीं।

बीएसए के निरीक्षण में खुली पोल

बेसिक विद्यालयों के समर कैंप में बच्चे कम आ रहे थे

एक उच्च प्राथमिक विद्यालय में चल रहे समर कैंप के दौरान पेंटिंग बनाते बच्चों को देखते बीएसए सुनील दत्त।

सभी शिक्षकों को छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ाने के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त समर कैंपों की हकीकत जानने के लिए मथुरा ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के दौरे पर निकले। उन्होंने तीन विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान समर कैंपों में बच्चों की उपस्थिति कम मिलने पर सभी शिक्षकों को छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय नवादा का सुबह 9 बजे का निरीक्षण किया। विद्यालय में समर कैम्प में 10 छात्र / छात्राओं के सापेक्ष मात्र चार बच्चे उपस्थित मिले। उन्होंने नशा मुक्ति के विषय में भी छात्र/छात्राओं को जागरूक कराया जाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उनको उच्च प्राथमिक विद्यालय विर्जापुर में चल रहे समर कैम्प में 9 छात्र/छात्राएं उपस्थित पाये गये। पूर्व माध्यमिक विद्यालय औरंगाबाद के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान उनको समर कैम्प में 22 छात्र/छात्रा उपस्थित पाये गये।

लोहवन व बरसाना के कॉलेजों में आयोजित हुए समर कैंप

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोहवन की प्रधानाचार्य कविता सक्सेना छात्राओं को समर कैंप के लाभ बताती हुई।

श्री राधा बिहारी इंटर कॉलेज में समरकैंप के समापन पर मां सरस्वती के समक्ष छात्र व अभिभावक प्रार्थना करते हुए।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय एवं एडेड विद्यालयों में आज दस दिवसीय समर कैंप का समापन हो गया। इस दौरान योगासन, भिन्न अभ्यास, प्राचीन हस्तकला, बागवानी आदि की जानकारी से बच्चे रूबरू हुए। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोहवन में समर कैंप के दसवें दिन विद्यार्थियों को योगासन की विभिन्न क्रियाएं कराई गई। दूसरी गतिविधि राजस्थान की प्राचीन हस्त कला टाई एंड डाई कराई गई। बच्चों को कपड़ों पर रंगों द्वारा डिजाइन बनाना सिखाया गया। तीसरी गतिविधि ब्लॉक प्रिंटिंग की कराई गई। जिसमें बच्चों को टेबल कवर पर ब्लॉक और सब्जियां फूल पत्तियों के माध्यम से रंग बिरंगी सुंदर कलाकृति बनाना सिखाया गया। बच्चों को घरेलू उपयोग के लिए कैरी बैग बनाना, एप्रेन काटना, सिलना सिखाया गया। प्रधानाचार्या श्रीमती कविता सक्सेना, अध्यापिका रश्मि माहौर ,ममता और लता पांडे उपस्थित थे। श्री राधा बिहारी इंटर कॉलेज बरसाना में आज 10 दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ। समर कैंप के समापन समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय पीटीए अध्यक्ष मोहन चंद्र शर्मा ने समर कैंप के महत्व पर प्रकाश डाला। समर कैंप में छात्रों ने व्यायाम, योग, चित्रकला प्रतियोगिता, कबड्डी, बैडमिंटन, कुर्सी दौड़, सामूहिक गतिविधियों व धार्मिक महत्व के स्थान का भ्रमण किया। समर कैंप में व्यायाम शिक्षक मनोज कुमार शर्मा, कला शिक्षक सुमनेश कुमार मिश्रा, प्रधान लिपिक अतुल कृष्ण शर्मा, सहायक लिपिक राकेश कुमार, विद्यालय परिचारक श्याम सुंदर तथा गौरव आदि उपस्थित थे। संचालन शिक्षक शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने किया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर कल

यूनिक समय, कोसीकलां। देवी अहिल्याबाई होल्कर सेवा समिति के बैनर तले पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर मेट्रो हॉस्पिटल द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह 31 मई को प्रातः दस बजे, हिंदू विश्रांत कुंज, सब्जी मंडी में लगाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण होंगे। यह जानकारी देवी अहिल्याबाई होल्कर सेवा समिति के कोषाध्यक्ष रवि उर्फ वंशी बघेल ने दी।

स्विमिंग पूल में डूबकर एक युवक की हुई मौत

घर से दोस्तों के साथ स्नान करने के लिए गया था

फरह में यमुना में पैर फिसलने से किशोर की हुई दर्दनाक मौत

आज शव यमुना में तैरता हुआ मिला

घर से खेत पर शौच के लिए गया था

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर इलाका स्थित एक स्विमिंग पूल में स्नान करने के दौरान पानी में डूबकर एक युवक की मौत हो गई। दूसरी दुर्घटना में थाना फरह के गांव झंडीपुर में पैर फिसलने के कारण एक किशोर यमुना किनारे पानी में डूब गया। आज तड़के उसका शव गढ़ाया लतीफपुर के समीप मिल गया। शहर कोतवाली क्षेत्र के बहादुरपुरा निवासी युवक आकाश (32) गुरुवार को अपने चार दोस्तों मोहित भाटिया, जीतू पाल और लोकेश के साथ बिरला मंदिर स्थित राधा कृष्ण स्वीमिंग पूल में स्नान करने के लिए गया था। स्नान के दौरान आकाश संदिग्ध परिस्थितियों में स्विमिंग पूल के पानी में डूब गया। आकाश को पानी में डूबते देख साथियों और स्विमिंग पूल के कर्मचारियों ने उसे निकालने की कोशिश की। आकाश को स्विमिंग पूल से बाहर निकाल कर आनन फानन में कर्मचारी व उसके दोस्त अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसे डॉक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार की दोपहर पोस्टमार्टम गृह पर मौजूद मृतक के चाचा सुनील ने बताया कि स्विमिंग पूल में डूबने के कारण उसके भतीजे की मौत कैसे हो सकती है। उन्होंने इस मामले में पुलिस से जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। थाना फरह के गांव झंडीपुर निवासी सीताराम का 14 साल का बेटा नैतिक कल सायं साढ़े सात बजे घर से गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। नैतिक के घर न लौटने पर परिवार के लोगों ने उसको काफी तलाश किया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। परिवार के लोगों ने यमुना किनारे बने मंदिर पर मौजूद लोगों से इस बारे में जानकारी की तो पता लगा कि एक किशोर यमुना के किनारे आया था। इस पर परिवार के लोगों ने यमुना में नैतिक को खोजने का प्रयास किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। नैतिक यमुना के पानी में बह गया। आज प्रातः उसका शव गढ़ाया लतीफपुर के समीप यमुना में तैरता हुआ मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाया। परिवार के लोग भी वहां पहुंच गए। नैतिक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। नैतिक कक्षा सात में पढ़ रहा था।

बिजली का करंट लगने से किशोर की हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह के गांव शाहपुर में बीती रात कूलर के तार लगाने के दौरान करंट लगने से एक किशोर की मौत हो गई। गांव शाहपुर निवासी मुकेश का पुत्र मनीष (14) बीती रात अपने कमरे में लगे कूलर को चलाने के लिए करीब दस बजे तारों को बिजली के सॉकिट में लगा रहा था। तार लगाने के दौरान किशोर को तेज करंट लगा जिससे वह उछल कर दूर जा गिरा। किशोर की निकली चीख को सुनकर परिवार के लोग इस ओर दौड़े। मनीष को इस तरह गिरा देख कर परिवार के लोग उसे तुरंत फरह के सीएससी पर ले गए। वहां मौजूद चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए मथुरा ले जाने को कहा। किशोर को परिवार के लोग एक निजी हॉस्पिटल में ले गए। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों ने गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से स्मैक बरामद की है। गोवर्धन पुलिस ने राहुल निवासी गांव खेरिया थाना रिफाइनरी हाल में पारसोली में रह रहा है को एकता बम्मे वाले रास्ते पर भवन की ओर से गिरफ्तार किया है। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके पास से 11 ग्राम स्मैक भी बरामद हुई है।

एसएसपी ने पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया

परेड की ली सलामी, पुलिस लाइन और मैस भी देखी

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने आज पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में साप्ताहिक पुलिस परेड का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता विकसित करने के लिए दौड़ भी लगवाई। पुलिस लाइन में मैस केंटीन सहित अन्य स्थानों को भी देखा। एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड पर आयोजित होने वाली पुलिस की साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया। पुलिस परेड की सलामी ली। परेड में मौजूद पुलिसकर्मियों का टर्नआउट देखा। इसके साथ ही परेड में मौजूद पुलिसकर्मियों में अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल भी कराई। शारीरिक दक्षता को बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की दौड़ भी लगवाई। परेड ग्राउंड में डॉग स्क्वॉड एंव पीआरवी के वाहनों और उनमें लगे उपकरणों का भी निरीक्षण किया। परेड में विभिन्न खानों के पुलिसकर्मियों के साथ कार्यालय शाखा और पुलिस लाइन के पुलिसकर्मी शामिल थे। एसएसपी ने अधिकारियों के साथ पुलिस कैंटीन, वर्दी स्टोर, पुलिस लाइन परिसर और पुलिस फैमली क्वाटरों का भी निरीक्षण किया। आरआई को पुलिस परेड आदि को और बेहतर करने के निर्देश दिए।

25 हजार का इनामी जालसाज गिरफ्तार

नौ साल से पुलिस की पकड़ से दूर था

कार्यालय संवाददाता

जालसाजी के मामले में गिरफ्तार इनामी अपराधी पुलिस की गिरफ्त में।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस और एसओजी की टीम ने नौ साल से धोखाधड़ी व जालसाजी के मामले में फरार चल रहे अंतर्राज्यीय अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। पुलिस के अनुसार गांव गुलावद मोहम्मदपुर थाना हसनपुर पलवल हरियाणा निवासी राजेश धोखाधड़ी और जालसाजी के मुकदमे में पिछले नौ साल से पुलिस की गिरफ्त से दूर था। काफी प्रयास करने के बाद भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पा रही थी। पुलिस की गिरफ्त में न आने की वजह से उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम भी एक साल पहले घोषित किया गया था। इसके बाद भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। पुलिस ने उसे एक सूचना के आधार पर परिक्रमा मार्ग स्थित भारत भवन गेस्ट हाउस के सामने जतीपुरा से एसओजी और गोवर्धन पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक गोवर्धन रवि त्यागी, एसओजी प्रभारी राकेश कुमार, उप निरीक्षक सोहनवीर सिंह, उप निरीक्षक अरनव सिरोही आदि शामिल थे।

बच्ची से छेड़छाड़ मामले में कोर्ट ने अभियुक्त को दोषी ठहराया

सजा के बिंदुओं पर कल कोर्ट करेगा सुनवाई

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश/ अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) कक्ष संख्या दो ब्रिजेश कुमार ने बच्ची के साथ गलत नियत से छेड़–छाड़ करने वाले एक अभियुक्त को दोषी ठहराया है। सजा के बिंदुओं पर कोर्ट कल फैसला देगी। सहायक शासकीय अधिवक्ता सुभाष चतुर्वेदी और विशेष लोक अभियोजक राम पाल सिंह एटवोकेट ने बताया कि थाना गोविंद नगर इलाके की एक कॉलोनी में रहने वाले माता पिता 14 मई 2019 को बाजार से सामान खरीदने के लिए गए थे। घर पर उनकी आठ वर्षीय पुत्री रह गई थी। उसी मकान में किराए पर रहने वाले अशोक निवासी गांव कठूमरी थाना जगनेर आगरा ने बच्ची को अकेला देख कर उसके साथ दुराचार करने का प्रयास किया। बच्ची के चीखने पर उसकी साली वहां आ गई। इसके बाद अशोक वहां से भाग गया। इस मामले में थाना गोविंदनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने जांच करने के बाद आरोप पत्र अशोक के खिलाफ न्यायालय में प्रेषित कर दिया। मुकदमे की सुनवाई में न्यायाधीश ने बच्ची के साथ गलत नियत से छेड़–छाड़ करने वाले अभियुक्त अशोक को गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषी ठहराया। सजा पर कोर्ट कल सुनवाई करेगा।

चौपाल लगाकर कांग्रेसियों ने सुनीं किसानों की समस्याएं

गांव में चौपाल लगाकर किसानों की समस्या सुनते कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस ने गोवर्धन के फौंडर में लगाई किसान चौपाल में किसानों की समस्याओं के लेकर विचार विमर्श किया। अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने ग्राम पंचायत के किसानों की समस्याएं सुनी। किसानों को समस्याओं का निस्तारण कराने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर बनवारी चौधरी, रवि कुंतल, अशोक कुंतल, गिरिराज सिंह, बृजेश कुंतल, के के कुंतल, कुलदीप गोला, कन्हैया कुंतल, दीपक कुंतल, रामकिशन, संजीत फौजदार तथा पूनम चौधरी आदि उपस्थित थे।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनने एवं न्यास गठन से श्रद्धालु खुश

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन आने वाले श्रद्धालु ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनने के प्रस्ताव और न्यास ट्रस्ट गठन की खबर से काफी खुश हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि प्रस्तावित योजनाओं से आने वाले भविष्य में दर्शन करना आसान होगा। भीड़भाड़, धक्का–मुक्की और अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ेगा। यूनिक समय टीम ने बाहर से आए श्रद्धालुओं से बात की।

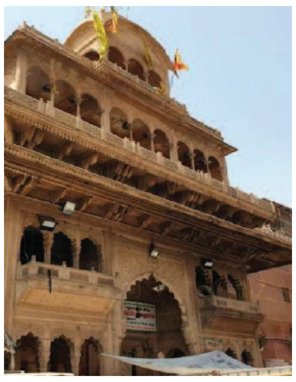

उन्होंने कहा कि बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर एवं न्यास ट्रस्ट का गठन काफी दूर की सोच है। यह निर्णय काफी समय पहले लिया जाना चाहिए। गुजरात से आए श्रद्धालु राममोहन सिंह ने कहा कि बांके बिहारी मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं, और त्यौहारों के समय यह संख्या लाखों तक पहुंच जाती है। अभी तक मंदिर परिसर छोटा होने के कारण दर्शन के समय धक्का–मुक्की आम बात हो गयी थी। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। कुछ श्रद्धालुओं को चोट भी आई थीं। कॉरिडोर बनने से ये समस्याएं काफी हद तक दूर हो जाएंगी। पानीपत से आए श्रद्धालु हरदेव शर्मा का कहना है कि बांके बिहारी मंदिर केवल मथुरा या उत्तर प्रदेश का नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत

भविष्य में बिना भीड़भाड़ के होंगे दर्शन

का आध्यात्मिक केंद्र है। यहां हर किसी को सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से दर्शन का अधिकार है।

जगह छोटी होने के कारण आए दिन श्रद्धालु बेहोश हो जाते है, और कई बार गंभीर चोटें भी आ जाती हैं। यह निर्णय बहुत ही अच्छा है। दिल्ली से आई श्रद्धालु अनीता शर्मा ने कहा कि वह हर साल बांके बिहारी के दर्शन करने आती है, लेकिन भीड़ इतनी होती थी कि डर लगता था। अब अगर कॉरिडोर बन जाएगा, तो शांति से प्रभु के दर्शन हुआ करेंगे।

अलवर (राजस्थान) से आए 75 वर्षीय नंदकिशोर ने कहा कि कॉरिडोर बनने से श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ेगी, जिससे स्थानीय पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, मंदिर क्षेत्र को विश्व स्तरीय तीर्थ स्थल बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

इलाहाबाद से आए श्रद्धालु विनय कुमार पांडेय का कहना है कि बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण की योजना से न केवल भीड़भाड़ की समस्या दूर होगी, बल्कि यह भक्तों के लिए भगवान से जुड़ने का अनुभव और भी दिव्य बनाएगी। श्रद्धालु इसे एक वरदान मान रहे हैं और भजन–कीर्तन, आरती और जयघोषों के सभी एक साथ आनंद ले पाएंगे।

एक चाय की दुकान पर चुस्की लेते हुए बाहर से आने वाले श्रद्धालु आपस में बातचीत करते हुए कह रहे थे कि भक्तों की यही पुकार है "हे बिहारी जी, अब आपके दर्शन और भी सरल हों, हर भक्त को कृपा और अनमोल स्नेह का तोहफा जल्दी दो।

वृंदावन बानिक बन्यो का मंचन देख वृद्ध माताएं हुई भावविभोर

कृष्णा कुटीर में गीता शोध संस्थान व रासलीला अकादमी की प्रशिक्षु रासलीला का प्रदर्शन करती हुई।

यूनिक समय, वृन्दावन। महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से 'सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान' द्वारा वृद्ध माताओं के लिए संचालित कृष्ण कुटीर महिला आश्रय सदन में रासलीला "वृन्दावन बानिक बन्यो" का मंचन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी वृंदावन की प्रशिक्षु बालिकाओं ने किया। ये अद्भुत प्रस्तुति देख वृद्ध माताएं व अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गये। रासलीला 'वृन्दावन बानिक बन्यो' का मंचन का शुभारंभ महिला एवं बाल कल्याण की उप निदेशक श्रीमती श्रुति शुक्ला, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास कुमार, गीता शोध संस्थान वृंदावन के निदेशक प्रो दिनेश खन्ना, प्रशासनिक अधिकारी शिल्पा मुरगई व गीता शोध संस्थान के कोर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया। रासलीला की संकल्पना एवं निर्देशन प्रख्यात रंगकर्मी व निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने की। मंच पर अकादमी की प्रशिक्षु बालिकाओं ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित रासलीला 'वृन्दावन बानिक बन्यो' में मनोहारी अभिनय एवं नृत्य प्रस्तुत किया। तबला संगत सुनील पाठक ने की सारंगी पर मनमोहन कौशिक ने संगत दी। बांसुरी संयोजन दीनानाथ ने किया। रास पदों का हारमोनियम पर गायन आकाश शर्मा ने किया। श्रीमती रितु सिंह ने वस्त्र सज्जा की। लखनऊ के भातखंडे संस्कृति विवि की प्रशिक्षक वैभवी ने प्रशिक्षुओं को कथक सिखाया। रासलीला के संयोजन व कोर्डिनेटर में चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने संचालन किया। मंचन की व्यवस्थाएं प्रशासनिक अधिकारी शिल्पा मुरगई, दीपक शर्मा व रामवीर सिंह आदि ने संभाली।

बच्चों के अन्दर छिपी प्रतिभा निखारने में सहायक बनेंगे समर कैंप

रतन लाल फूल कटोरी देवी सीनियर सैकेण्ड्री बालिका विद्यालय के समर कैंप के समापन पर बच्चों के साथ प्रधानाचार्या।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रतनलाल फूल कटोरी देवी सीनियर सेकेण्ड्री बालिका विद्यालय में चल रहे समर कैंप का समापन हो गया। प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने बताया कि समर कैंप द्वारा हम बच्चों के अन्दर छिपी हुई प्रतिभा को उजागर कर सकते हैं। जिन बच्चों की पढ़ने में रुचि नहीं होती है वे बच्चें इन क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सकते हैं। प्रान्त प्रतिनिधि चन्द्रप्रकाश द्विवेदी ने बताया कि इस तरह के कैंप सभी स्कूलों में चलने चाहिए। प्रबंधक बांके बिहारी शर्मा, कौशल विकास कोर्स की संचालिका श्रीमती मीनल अग्रवाल ने कार्यक्रम की सराहना की। कैंप में बालिकाओं ने जो भी सीखा उसके अनुभव साझा किये। कैंप में सिविल डिफेंस, शूटिंग, गिफ्ट पैकिंग, अंग्रेजी बोलना, डांस, चित्रकला, कूकिंग आदि में छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, व्यवस्था प्रमुख श्रीमती ममता जैन एवं संयोजिका श्रीमती वन्दना पाल ने भाग लिया।

दस दिवसीय समर कैंप का समापन

अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल में समर कैंप के समापन पर विद्यार्थियों के साथ शिक्षक।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम तारसी स्थित अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल में 10 दिवसीय समर कैंप का समापन हो गया। कैंप में छात्रों ने इंग्लिश लैंग्वेज लेब, कोडिंग एवं डीकोडिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से रोबोट का निर्माण करना, लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, वेस्टर्न नृत्य, लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत, नाट्य मंचन, चित्रकला, हस्तकला, वैदिक गणित, क्रिकेट, कबड्डी, खो–खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल तथा विभिन्न क्रियाओं का प्रशिक्षण में भाग लिया। फन गेम्स प्रतियोगिता भी हुई। समापन पर ए.आई.जी.एस. की डायरेक्टर डॉ. निर्मल अग्रवाल ने बच्चों द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

डॉ. मुरारी लाल चतुर्वेदी के निधन से शोक की लहर

प्रमुख संवाददाता

स्व. डॉ. मुरारी लाल चतुर्वेदी

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. मुरारी लाल चतुर्वेदी (73 वर्ष) की अवस्था में दो दिन पहले देहावसान हो गया। कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे डॉ. चतुर्वेदी ने सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस सिम्स में 28 मई को रात्रि लगभग 11 बजे अपनी अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार ध्रुव घाट पर 29 मई को पूर्वाह्न किया गया। उनके ज्येष्ठ पुत्र मोहित चतुर्वेदी एडवोकेट ने मुखाग्नि दी। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। मयूर विहार निवासी रघुनाथ हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मुरारी लाल चतुर्वेदी ने जनपद ही नहीं वरन अखिल भारतीय स्तर पर एक सफल स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी थी। देश भर में बतौर चिकित्सक विभिन्न मंचों पर कई अवॉर्ड जीतने वाले डॉ चतुर्वेदी बेमिसाल प्रतिभा के धनी थे। डॉ. चतुर्वेदी ने समाजसेवा के क्षेत्र में भी कई आयाम स्थापित किये। उनके भाई डॉ राज कुमार चतुर्वेदी उत्तर प्रदेश सरकार में वरिष्ठ चिकित्सक रहे। हाल में वह रघुराज अस्पताल के संस्थापक हैं। मथुरा समेत दिल्ली सर्वोच्च न्यायलय के सचिव तथा अध्यक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, बार एसोसिएशन, हॉस्पिटल एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन समेत विभिन्न राजनैतिक दलों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, समाजसेवियों आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता और एन्टी डोपिंग डीसिप्लिनरी पैनल भारत सरकार के सदस्य उनके कनिष्ठ पुत्र सार्थक चतुर्वेदी एडवोकेट ने बताया कि वे काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। अंतिम संस्कार के दौरान कृष्ण कुमार मुन्ना भैया, डॉ डी पी गोयल, डॉ बृजेन्द्र तिवारी, डॉ बर्मन, डॉ सिंघल, श्याम चतुर्वेदी, मनोज शर्मा तथा शंकर सेठ आदि उपस्थित थे।

मातृभूमि से है प्यार, विकास में करें योगदान

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यदि आपका जन्म गांव में हुआ या आपके पूर्वज गांव के रहे हैं। इस नाते आपका वहां से विशेष लगाव है। नौकरी व व्यवसाय की वजह से आप दूर शहर में, दूसरे राज्य या विदेश में रहते हुए अपनी मातृभूमि को संवारना चाहते हैं तो यूपी सरकार ने आपके इस सपने को साकार करने की जिम्मेदारी ली है। प्रदेश सरकार ने गांवों के विकास में आपकी भागीदारी के द्वार खोल दिये है। मातृभूमि योजना सरकार की वो योजना है जो जन्मभूमि से प्रेम करने वाले लोगों का सपना साकार कर सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली मातृभूमि योजना है। योजना अभी तक चार वर्ष बाद भी जनपद आगे नहीं बढ़ सकी है। सरकार की मंशा है कि मातृभूमि योजना के माध्यम से ग्रामीण

पंचायत विभाग सामर्थ्यवानों की मदद से करायेगा गांवों का विकास

ग्राम प्रधान, सचिवों व जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी दी

क्षेत्रों के इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करना है। इस योजना को गति देने के लिए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह व सीडीओ मनीष मीना ने कदम उठाया है। उन्होंने जनपद के 495 ग्राम पंचायतों के विकास कराने के लिए गांवों के प्रधान, पंचायत सचिव, वार्ड मेंबर, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्यों से कहा है कि वे ऐसे सामर्थ्यवान लोगों से सम्पर्क करके उनका सहयोग लें। इस योजना के बारे में उनको अवगत करायें। जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि ग्रामीण इलाके का विकास करने के लिए नागरिकों व राज्य सरकार दोनों का सहयोग व योगदान रहेगा। जिसमें 40 फीसद राशि सरकार देगी और 60 फीसदी राशि सम्बंधित व्यक्ति को देनी होगी। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से गांव में रास्ते, शमशान स्थल, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी, डिजिटल लाइब्रेरी, स्टेडियम, व्यामशाला, ओपन जिम, पशु नस्ल सुधार केंद्र, फायर सर्विस सेंटर आदि के कार्य शुरू कर सकते हैं। इसके साथ–साथ स्मार्ट विलेज का निर्माण करने हेतु सीसीटीवी लगाने, सोलर लाइट हेतु, सीवरेज हेतु एसटीपी प्लांट लगवाने में ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की हिस्सेदारी होगी। अगर आप भी इस योजना में आवेदन करना चाहते है तो इसके लिए आपको योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन फॉर्म भरना होगा या डीपीआरओ कार्यालय राजीव भवन में सम्पर्क करना होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत कार्य सरकार व प्रधानों के माध्यम से नहीं होंगे। बल्कि सहयोगदाता व्यक्ति के माध्यम से ही कराये जाएंगे। सरकार भी अपने हिस्से की धनराशि उसी को देगी। उन्होंने बताया कि जिसके बदले में परियोजना का नाम सहयोगी व्यक्ति की इच्छा अनुसार रखा जाएगा। वह अपने पूर्वजों के नाम पर परियोजना का नाम रख सकता है। उन्होंने बताया कि जैसे ही व्यक्ति उनके कार्यालय में आवेदन देगा वे तुरंत शासन से उक्त कार्य की अनुमति लेगें। उसके बाद व्यक्ति अपने गांव में कार्य करा सकता है।

मनरेगा के माध्यम से कार्य कर बने आत्म निर्भर : पूरन प्रकाश

महिलाएं शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं : महापौर

अच्छे कार्य करने वाले 30 समूहों के सदस्यों को किया सम्मानित

कलेक्ट्रेट सभागार में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर जिला स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित करते विधायक पूरन प्रकाश, मंचासीन महापौर विनोद अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में जनपद स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों को संबोधित करते हुए बलदेव क्षेत्र के विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रदान करके उनको आत्म निर्भर बनाना है। इसलिए केन्द्र व राज्य सरकार ने महिला कल्याण की योजनाएं चला रखी हैं। उपायुक्त मनरेगा विजय कुमार पांडेय ने ग्राम्य विकास अंतर्गत मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विभिन्न वीडियो के माध्यम से कराये जा रहे कार्यों को प्रदर्शित किया। महापौर विनोद अग्रवाल ने महिलाओं से कहा कि वे शासन की योजनाओं का लाभ उठाते हुए आत्म निर्भर बने और राज्य व देश के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर विधायक, महापौर के साथ सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा व सीडीओ मनीष मीना ने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, स्वयं सहायता समूह के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाली 30 समूह सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी श्रीमती गरिमा खरे, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान

12 जून तक गांव-गांव जाकर होगी गोष्ठी

केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान में विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत करते अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित "कृषि संकल्प अभियान" का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत संस्थान की दो टीमें मथुरा एवं हाथरस जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों के सहयोग से 18 गांवों के किसानों को गोष्ठियों के माध्यम से खरीफ फसलों की तैयारी, भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने हेतु जैविक खादों का प्रयोग, प्राकृतिक खेती, बीज शोधन, वैज्ञानिक विधियों से पशुपालन एवं अन्य कृषि से संबंधित जानकारी दी गई। गोष्ठी में वक्ताओं ने किसानों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान किए। संस्थान के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेटली, डॉ. बी. राय, डॉ. अनुपम कृष्ण दीक्षित, डॉ. रविंद्र कुमार ने गोष्ठी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. रवि रंजन, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. खुशहाल सिंह लोग उपस्थित थे। किसानों को जागरूक करने के लिए यह गोष्ठी 12 जून तक गांव-गांव जाकर की जाएगी।

समाजवादी पार्टी की जोन प्रभारियों की बैठक संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी के मथुरा-वृंदावन विधानसभा प्रभारी अशरफ हुसैन की अध्यक्षता में डैम्पियर नगर स्थित महानगर कार्यालय पर जोन प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष रितु गोयल ने की। इस अवसर पर संगठन को मजबूत करने के लिए जोन, सेक्टर प्रभारी और बूथ प्रबंधन को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। प्रभारी अशरफ हुसैन ने पार्टी की भविष्य की नीतियों से अवगत कराते हुए कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में पार्टी की नीतियों के अनुरूप कार्य करने की अपील की। उन्होंने जोन प्रभारियों द्वारा बूथों पर किए गए कार्यों का सत्यापन भी किया। बैठक में संगठन की मजबूती के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की गई और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया गया। बैठक में यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव अमित शर्मा, महासचिव अभिषेक यादव, जोन प्रभारी रमेश सैनी, बल्लभभाई कुशवाहा, कोमल किशोर शर्मा, देवेन्द्र निषाद, सुरेश यादव, अनिल वर्मा आदि उपस्थित थे।

मथुरा में पत्रकारिता दिवस समारोह

सच को उजागर करना पत्रकारों का अहम दायित्व: अरुण सिंह

पत्रकारों को मेहनत के हिसाब से मानदेय मिले : रासबिहारी

ब्रज प्रेस क्लब एवं एनयूजेआई द्वारा आयोजित पत्रकार दिवस समारोह को संबोधित करते भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद अरुण सिंह, मंचस्थ हैं जगदगुरु शंकराचार्य राज राजेश्वरानंद महाराज, महापौर विनोद अग्रवाल, विधायक पूरन प्रकाश, एमएलसी ठा. ओमप्रकाश, एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गणेश शंकर विद्यार्थी की याद में शुक्रवार को नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया एवं ब्रज प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 33 वां पत्रकारिता दिवस समारोह मनाया। इसमें आए राजनीति, धार्मिक, पत्रकार जगत से जुड़े विशिष्ट लोगों ने वर्तमान पत्रकारों की चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। अध्यक्षता जगत गुरू शंकराचार्य राज राजेश्वरानंद महाराज ने की। मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज को दर्पण दिखाने का कार्य करते हैं। समाज के सामने सच को उजागर करना पत्रकार का अहम दायित्व है। पत्रकारों को फेक न्यूज से भी बचना चाहिए। विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। वर्तमान समय में पत्रकारों के सामने अनेक चुनौतियां हैं। एमएलसी ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि पत्रकार किसी समाज के उत्थान में अहम भूमिका निभाते हैं। महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है। ब्रज प्रेस अध्यक्ष डॉ. कमलकान्त उपमन्यु के आग्रह पर महापौर ने मथुरा में एक मार्ग को दिवंगत पत्रकार स्व. अनन्त स्वरूप वाजपेयी देशभक्त के नाम पर करने का ऐलान किया। एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने पत्रकारों को उनकी मेहनत के हिसाब से मानदेय दिये जाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को उ.प्र. शासन के पूर्व प्रमुख सचिव देवदत्त शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर उर्फ राजू यादव, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार गोलेश स्वामी आदि ने भी संबोधित किया। एनयूजेआई के राष्ट्रीय सचिव व ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकान्त उपमन्यु ने सभी का आभार जाता। संचालन वरिष्ठ पत्रकार अनूप शर्मा ने किया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के सचिव शिव कुमार लवानियां, जिला सूचनाधिकारी प्रशांत सुचारी, उद्योगपति पवन चतुर्वेदी, विश्व हिन्दू परिषद के महानगर अध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, विहिप जिलाध्यक्ष रनवीर कमान्डो, भाजपा ब्रज क्षेत्र के महामंत्री नागेन्द्र सिकरवार, भाजपा नेता प्रदीप गोस्वामी, संजय शर्मा, संजय गोविल, विवेक प्रिय आर्य तथा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

कोसीकलां में खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, 10 नमूने लिए

खाद्य पदार्थ को देखते टीम में शामिल अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड द्वितीय धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने जनपद में मिलावट खोरों के विरुद्ध अभियान चलाकर विभिन्न प्रतिष्ठानों से 10 नमूने जांच हेतु लिए। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह एवं खाद्य सचल दल ने कोसीकलां स्थित कालप्रो स्पेशलिटीज प्रालि बरहना, कोसीकलां का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विनिर्माण में प्रयुक्त होने के लिए रक्षित किए गए कुछ खाद्य उत्पाद तथा खाद्य सहयोज्य के बारे में प्रतिष्ठान मैनेजर द्वारा संतोषजनक उत्तर न दे पाने के कारण अग्रिम आदेश तक उपयोग न करने को आदेशित करते हुए सामग्री को होल्ड करके खाद्य कारोबारकर्ता की अभिरक्षा में दिया गया। प्रतिष्ठान से स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल, बटर, गाय का घी, व्हे प्रोटीन कंसन्ट्रेट, स्वीटेन्ड व्हे पाउडर का एक-एक नमूना तथा घी व वनस्पति के दो-दो नमूने, 10 खाद्य नमूने संग्रहित किये गये। संग्रहित खाद्य नमूने विश्लेषण हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जायेगी। खाद्य सचल दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह, मोहर सिंह कुशवाह, अरूण कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, राम नरेश शामिल थे।

अड़ींग बाईपास पर स्पीड ब्रेकर व गोल सर्किल न होने पर जान गंवा रहे लोग

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। मथुरा-गोवर्धन मार्ग स्थित गांव अड़ींग बाईपास पर स्पीड ब्रेकर और गोल सर्किल न होने से आए दिन हादसे हो रहे हैं। यहां पर हाल ही में दो लोग गंभीर चोटिल हो गए थे। लेकिन फिर भी अधिकारी इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग मथुरा से गोवर्धन गिरिराज नगरी को जाता है। वाहन यहां से तेजी से निकलते हैं, जो हादसे की वजह बनते हैं, लेकिन यहां पर गोल सर्किल या स्पीड ब्रेकर न होने से हादसों का खतरा बना रहता है। हादसों के कारण वर्ष में करीब सैकड़ो लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। हजारों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ग्रामीण यहां पर ब्रेकर व गोल सर्किल बनवाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन अधिकारी ग्रामीणों की कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। बाईपास निर्माण के समय ग्रामीणों की ओर से स्पीड ब्रेकर की मांग की गई थी। लेकिन उनकी मांग पर ब्रेकर नहीं बनाया गया।

इससे अब यहां पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। अब प्रशासन से मांग है कि यहाँ गोल सर्किल या फिर स्पीड ब्रेकर बना दिया जाए तो भविष्य में दुर्घटना में विराम लग सके। दाऊदयाल सैनी, गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी, राजेन्द्र सैनी, यशपाल सैनी, नीलम एडवोकेट, कृष्णकांत जोशी, नेमसिंह बघेल, महेश सैनी, डॉ. बासुदेव, राजेश बंसल, यादराम सैनी, विष्णु सैनी, डोरी लाल सैनी आदि लोगों ने स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है।

लटकती तोंद से चाहिए छुटकारा तो रोज पिएं काले अंगूर का जूस

यूनिक समय, मथुरा। क्या आपने कभी काले अंगूर का जूस पिया है? अगर आप अपनी लटकती हुई तोंद को अलविदा कहना चाहते हैं, तो आपको इस जूस को अपने डाइट प्लान का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए।

मोटापा कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों को आमंत्रित करने का काम कर सकता है। इसलिए समय रहते बढ़ते हुए वजन पर काबू पाना बेहद जरूरी होता है। मोटापे से छुटकारा पाने के लिए आप काले अंगूर का जूस पीना शुरू कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि औषधीय गुणों से भरपूर ये जूस आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने के साथ-साथ आपकी ओवरऑल हेल्थ को मजबूत बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है। इस वेट लॉस ड्रिंक को बनाने के

लिए आपको एक कप काले अंगूर, एक बड़ी स्पून नींबू का रस और एक बड़ी स्पून शहद की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले काले अंगूर को अच्छी तरह से धो लीजिए और फिर अंगूर के डंठल अलग कर लीजिए। अंगूर को मिक्सर में डालकर पीसकर एक स्मूद पेस्ट बना लीजिए। इस स्मूदी को एक बर्तन में निकाल लीजिए। अब काले अंगूर का जूस बनाने के लिए आपको इस स्मूदी में नींबू का रस और शहद मिला लेना है।

काले अंगूर, नींबू का रस और शहद, इन तीनों चीजों में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकते हैं। अगर आप अपने बढ़ते हुए वजन पर काबू पाना चाहते हैं, तो आपको काले अंगूर के जूस को अपने डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। आपको महज एक ही महीने के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सही मात्रा में और सही तरीके से काले अंगूर का जूस पीकर आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। काले अंगूर का जूस आपकी थकान और कमजोरी की समस्या को दूर कर आपकी बॉडी के एनर्जी लेवल्स को बूस्ट करने में मददगार साबित हो सकता है।

गर्मी में ठंडक का अहसास

आम पन्ना बनाने का सुपर आसान तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में आम का सीजन होता है। इन दिनों कच्चे आम बाजार में मिलने लगे हैं। आंधी तूफान में आम टूटकर गिर जाते हैं जिन्हें बाजार में अचार बनाने, सब्जी, लौंजी, पन्ना और चटनी बनाने के लिए बेचा जाता है। आम पन्ना बहुत ही टेस्टी लगता है। गर्मियों में लू लगने से बचाने के लिए आम पन्ना पीने की सलाह दी जाती है। आप घर में आसानी से आम पन्ना बना सकते हैं। खासबात ये है कि आम पन्ना को आप हफ्तेभर आसानी से स्टोर करके रख सकते हैं। जब जी चाहे खट्टा मीठा आम पन्ना पी सकते हैं। जानिए आम पन्ना बनाने की आसान रेसिपी क्या है।

वैसे तो कच्चे आम का पन्ना कई तरह से बनता है कुछ लोग इससे रोटियां खाते हैं तो इसे थोड़ा गाढ़ा बनाते हैं। लेकिन लू से बचने के लिए आम पन्ना पीने की सलाह दी जाती है। आज हम आपको पतला, टेस्टी और हेल्दी आम पन्ना बनाने का तरीका बता रहे हैं। जानिए इसमें क्या पड़ता है और इसे कैसे बनाते हैं।

बनाने की रेसिपी: आम पन्ना बनाने के लिए आप करीब 5-6 कच्चे आम ले लें। अब इन्हें पानी से अच्छी तरह धो लें और कुकर में डालकर उबालने के लिए रख लें। आप चाहें तो आम को छीलकर, गुठलियां निकालकर और काटकर भी उबाल सकते हैं। आम को 1 बड़ा गिलास पानी डालकर उबलने के लिए रखें।

बोतल में भरकर फ्रिज में रखें, हफ्तों तक रहेगा ताजगी से भरा

मीडियम फ्लेम पर सिर्फ 2-3 सीटी में आम अच्छी तरह से उबल जाएगा। कुकर खुलने के बाद आम और उसके पानी को निकाल लें और ठंडा होने के लिए छोड़ दें। तब तक आप 10-15 पुदीना के पत्ते लेकर साफ कर लें। अब एक मिक्सी लें और उसमें आम और थोड़ा पानी डाल दें। अब इसमें पुदीना डाल दें।

आम को पीसते वक्त ही इसमें चीनी मिला दें। चीनी कम ज्यादा अपने स्वाद के हिसाब से रख सकते हैं। अब तीनों चीजों को मिलाकर बारीक पीस लें। इस मिक्सचर में बचा हुआ पानी भी डाल दें। थोड़ी पिसी हुई काली मिर्च, पिसी सौंफ का पाउडर डाल दें और एक जार या बोतल में भरकर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। अब जब भी आम पन्ना पीने का मन हो, बोतल में से आधा गिलास आम पन्ना निकालें। इसमें थोड़ा पानी और आइस क्यूब्स डालें। ऊपर से भुना और पिसा हुआ जीरा डालें। काला नमक डालें और थोड़े पुदीने के पत्ते क्रश करके डालें और ठंडा ठंडा आम पन्ना पी लें।

आप इसे अपने हिसाब से पतला या थोड़ा गाढ़ा बनाकर पी सकते हैं। खाने में आम पन्ना ले रहे हैं तो इसे हल्का गाढ़ा ही रखें। आम पन्ना को इस तरह बनाकर आप हफ्तेभर के लिए स्टोर कर सकते हैं। ये 6-7 दिन तक खराब नहीं होता है। इससे लू लगने का खतरा कम रहता है।

दादी-नानी के घरेलू नुस्खों से करें जादू

रूखी-फटी एड़ियों को करें सही

यूनिक समय, मथुरा। क्या आपके एड़ियां भी बहुत ज्यादा रूखेपन की वजह से फटने लगी हैं? अगर हां, तो आपको कुछ घरेलू नुस्खों को जरूर ट्राई करके देखना चाहिए।

रूखी और फटी हुई एड़ियां आपके पैर की सुंदरता को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती हैं। क्या आप भी अपने एड़ियों के रूखेपन से छुटकारा पाना चाहते हैं?

अगर हां, तो दादी-नानी के कुछ उपाय आपकी इस समस्या को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप अपनी एड़ियों को मुलायम बना सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे...

लगाएं नारियल का तेल : नारियल के तेल को दादी-नानी के जमाने से त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। रात में सोने से पहले अपनी एड़ियों पर नारियल का तेल लगाएं। नारियल के तेल में मौजूद तत्व आपके एड़ियों की खोई हुई नमी को वापस लौटाकर उन्हें मुलायम बनाने में मददगार साबित हो सकता है।

पैरों को भिगोकर रखें : सबसे पहले गुनगुने पानी में थोड़ा सा सिरका और नमक मिला लीजिए। अब आपको इस पानी में लगभग 15 मिनट तक अपने पैरों को भिगोना है। पैरों को भिगोने के बाद फुट स्क्रबर की मदद से एड़ियों पर मौजूद डेड स्किन सेल्स को रिमूव कर दीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए इस प्रोसेस को एक हफ्ते में दो से तीन बार फॉलो किया जा सकता है।

फायदेमंद साबित होगा शहद और नींबू : एक स्पून शहद में एक स्पून नींबू का रस मिक्स कर लें। शहद और नींबू में पाए जाने वाले तत्व आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इस मिक्सचर को अपनी एड़ियों पर लगाएं। थोड़ी देर बाद आप अपनी एड़ियों को धो सकते हैं। त्वचा को धोने के बाद आपको अपनी रूखी-फटी एड़ियां मुलायम लगने लगेंगी।

इस्तेमाल कर सकते हैं एलोवेरा जेल : अपनी रूखी और बेजान एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। रात में सोने से पहले अपनी एड़ियों पर एलोवेरा जेल लगाएं। हर रोज इस नियम को फॉलो करें और महज एक ही हफ्ते में खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखें।

चिलचिलाती गर्मी से मिलेगी राहत उत्तराखंड की इन जगहों में

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप इस भयंकर गर्मी से छुटकारा पाना चाहते हैं तो उत्तराखंड के इन खूबसूरत जगहों पर घूम कर आ सकते हैं। यहाँ घूमने के लिए दो दिन भी काफी है। तो, चलिए जानते हैं आप उत्तराखंड के किन जगहों पर घूम सकते हैं? गर्मियों के मौसम की शुरुआत हो गई है। ऐसे में अगर आप इस भयंकर गर्मी से छुटकारा पाना चाहते हैं तो उत्तराखंड के इन खूबसूरत जगहों पर घूम कर आ सकते हैं। यहाँ घूमने के लिए दो दिन भी काफी है।

अपने वीकेंड्स में आप यहां जाने का प्लान कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं आप उत्तराखंड की किन जगहों पर घूम सकते हैं?

मुक्तेश्वरः मुक्तेश्वर, उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। भगवान शिव के 350 साल पुराने मंदिर का घर, मुक्तेश्वर एक लोकप्रिय तीर्थ शहर और कई साहसिक गतिविधियों का केंद्र है। गर्मी के मौसम में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह के रूप में मशहूर उत्तराखंड में आप रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग और ट्रैकिंग का आनंद ले सकते हैं। जिस पहाड़ी पर मंदिर स्थित है, उसके शीर्ष से राजसी हिमालय पर्वतमाला को देखें।

लैंसडाउनः पहाड़ी की चोटी पर बसा, लैंसडाउन भारत के उन कुछ स्थानों में से एक है जहां आप अभी भी ब्रिटिश काल के पुराने विश्व आकर्षण की झलक पा सकते हैं। यह हिल स्टेशन वह सारी शांति प्रदान करता है। टिप एन टॉप पॉइंट से सूर्यास्त का दृश्य शानदार होता है

नाग टिब्बाः नाग टिब्बा हिमालय श्रृंखला की सबसे ऊंची चोटी है जो बंदरपूंछ और स्वर्गारोहिणी जैसी चोटियों के आकर्षक दृश्य प्रस्तुत करती है।

यहां शीर्ष पर नाग देवता को समर्पित एक पुराना मंदिर भी है। शुरुआती लोगों और यहां तक कि परिवारों के लिए एक आदर्श ट्रैक, यह बहुत जरूरी एकांत और रोमांच प्रदान करता है। सबसे अच्छी बात यह है कि दिल्ली से बहुत करीब है।

कौसानीः उत्तराखंड का मशहूर शहर कौसानी अपने आकर्षण और भव्यता के लिए जाना जाता है। बर्फीले परिदृश्य आसानी से उन पर्यटकों को आकर्षित करते हैं जो शहरी जीवन की भागदौड़ से छुट्टी लेने के लिए यहाँ आते हैं। प्रकृति की सैर के दौरान त्रिशूल, नंदा देवी और पंचचूली चोटियों के मनोरम दृश्यों का आनंद लें।

सुविचार

जीवन में कितनी भी कठिनाई आए, सच्चाई को मत छोड़ो।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	09:23-08:15 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पुष्य	09:29-09:07 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	09:23 AM
सूर्यास्त		7:05 PM	चंद्रास्त	11:28 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM –12:44 PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		शीतला षष्ठी	विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	08:52AM–10:34AM		वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अगर बीमारियां नहीं छोड़ रही हैं पीछा तो धारण करें यह धातु, मिलेगा आराम

यूनिक समय, मथुरा। धातुओं का सही प्रयोग विभिन्न बीमारियों में लाभकारी हो सकता है। सोना दिल मजबूत करता है, चांदी शीतलता देती है, तांबा रक्त शुद्ध करता है, पीतल सांस की समस्या दूर करता है।

अक्सर हमने देखा है कि लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि उनके द्वारा किस धातु का प्रयोग किया जाए। लोग पूछते हैं कि सोना या चांदी या अन्य कोई धातु उनके लिए शुभ है या नहीं। आज हम आपको सभी धातुओं के अलग–अलग लाभ बताने जा रहे हैं। यदि आपको कोई बीमारी लगी रहती है तो आप अपनी सुविधा और बीमारी के अनुसार उसे धातु का अपने ऊपर प्रयोग कर सकते हैं। आईए जानते हैं किस बीमारी में हमें किस धातु का प्रयोग करना चाहिए।

यदि कोई व्यक्ति सोने की अंगूठी अनामिका उंगली में पहना है इससे उसका ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है और दिल मजबूत होता है।

चांदी की पायल मस्तिष्क में शीतलता देता है इसलिए पैरों में चांदी की पायल पहनने से शरीर की गर्मी संतुलित रहती है और मासिक धर्म में नियमितता बनी रहती है।

कलाई में तांबे का कड़ा पहनने से व्यक्ति का रक्त शुद्ध होता है और टॉक्सिन बाहर निकलने लगते हैं।

यदि आप अपने हाथ में पीतल की एक चूड़ी पहनते हैं तो इससे आपकी सांस से संबंधित समस्या खत्म हो जाती है और फेफड़े मजबूत होते हैं।

मन की शांति के लिए व्यक्ति को अपने गले में भारत की माला पहननी चाहिए। इससे उसका ध्यान और मजबूत हो जाता है। दाहिने हाथ की कलाई में यदि आप कांसे का कड़ा पहनते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज हो जाएगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगने लगेगा।

किसी भी हाथ की मध्यमा उंगली में लोहे की रिंग पहनने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है और शारीरिक कमजोरी दूर होती है।

तर्जनी उंगली में जस्ता की अंगूठी पहनने से घाव जल्दी भर जाता है और किसी भी प्रकार का संक्रमण नहीं होता है। डायबिटीज से पीड़ित लोग इस अंगूठी को पहने इससे उनकी चोट आदि के घाव शीघ्र भर जाएंगे।

यदि आपके मन में सदैव ही नकारात्मक विचार आते हैं या रात में सोते समय खराब सपने आते हैं तो आपको गले में पंचधातु की माला पहननी चाहिए। इससे आपके अंदर से नकारात्मकता दूर हो जाएगी।

यदि किसी व्यक्ति को एजिंग की समस्या है तो उसे प्लैटिनम का लॉकेट पहनना चाहिए। लॉकेट सदैव ही हृदय के पास रहना चाहिए। इससे आपकी चेहरे पर भी चमक बढ़ जाएगी।

यदि कोई व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार रहता है तो उसे गले में चांदी की माला पहनना चाहिए। इससे उसका तनाव कम होगा और मानसिक शांति मिलेगी।

हार मानने के लिए तैयार नहीं होते इन चार राशियों वाले

हर मुश्किल का करते हैं डटकर सामना

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष में कुछ ऐसी राशियों का जिक्र मिलता है जो हार मानने के लिए कभी तैयार नहीं होती। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में जानकारी देंगे।

हर व्यक्ति को जीवन में कभी न कभी संघर्ष का सामना करना पड़ता है, और हर कोई अपनी तरह से हर चुनौती का सामना करने की कोशिश करता है। कुछ लोग जीवन की चुनौतियों से थककर हार मान लेते हैं और दुनिया के बने बनाए ढर्रे पर चलने लग जाते हैं। वहीं ज्योतिष में कुछ ऐसी राशियों का जिक्र मिलता है जो, कई संघर्षों के बाद भी हार मानने को तैयार नहीं होती। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में अपने इस लेख में जानकारी देंगे।

वृषभ राशि: इस राशि के लोगों को दृढ़–निश्चयी माना जाता है। एक बार जो ये ठान लेते हैं उसे पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत करने के लिए भी ये तैयार रहते हैं।

कठिनाइयों से पार पाने के लिए और संघर्षों का सामना करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाते आपको दिख सकते हैं। मेहनत करने का इनका गुण, जीवन में ऊंचाइयों तक इन्हें ले जा सकता है।

कन्या राशि : इस वाले जातक हर कार्य में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं और इसीलिए असफलता इनको भाती नहीं है। हार मानने के लिए ये कभी तैयार नहीं होते, एक बार हारने के बाद ये फिर से प्रयास करने के लिए आगे बढ़ते हैं। इनका कर्मठ स्वभाव बाकी लोगों से इनको अलग बनाता है। सफलता पाने के लिए ये किसी भी तरह का समझौता जिंदगी के साथ करने को तैयार रहते हैं, इसलिए आप इस राशि के लोगों को ऊंचे पदों पर देख सकते हैं।

वृश्चिक राशि : मंगल के स्वामित्व वाली वृश्चिक राशि के लोग भले ही गरीब घर में जन्म लें लेकिन अपनी स्पष्ट सोच से ये जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। एक बार हारकर जब ये उठते हैं तो इनसे बेहतर प्रदर्शन शायद ही कोई कर पाए। जीवन में क्या काम इन्हें फायदा देगा और क्या काम करने से इन्हें नुकसान हो सकता है इसका भी इन्हें अच्छी तरह से पता होता है। इसीलिए भले ही चुनौतियां इनके जीवन में आएं लेकिन हार ये नहीं मानते, अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना ये जारी रखते हैं।

मकर राशि : शनि के स्वामित्व वाली मकर राशि के लोग जिद्दी होते हैं। एक बार जो लक्ष्य इन्होंने तय कर लिया उसे पाने के लिए जी तोड़ मेहनत ये करते हैं।

बार–बार असफल होने पर भी इनके अंदर का जज्बा खत्म नहीं होता। सफलता इनके आत्मविश्वास को कम करने की बजाय इन्हें आगे बढ़ने का रास्ता दिखा सकती है।

इस राशि के लोग भी न तो हार मानते हैं और न ही चुनौतियों से डरते हैं। अपनी गलतियों से सीखकर ये जीवन में अपना अलग मुकाम बनाने में कामयाब

बहुत खराब हैं ये मोबाइल नंबर, जीवनसाथी के लिए बन सकते हैं मुसीबत !

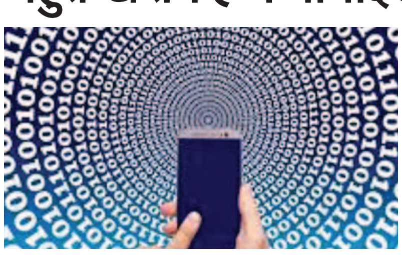

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल नंबर में 67, 76, 27 या 72 होने से जीवनसाथी के स्वास्थ्य और ज्वाइंट पेन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे नंबर बदलकर अनुकूल मूलांक और भाग्यांक वाला नंबर चुनें।

मोबाइल न सिर्फ हमारे बात करने का साधन है बल्कि मनोरंजन और हमारी पहचान का आधार भी है। हमारा मोबाइल नंबर किसी भी व्यक्ति के पास हमारी पहचान के रूप में दर्ज है। हम जिस मोबाइल का प्रयोग करते हैं उस मोबाइल के अंक हमारे जीवन पर अपना पूरा प्रभाव रखते हैं। अंक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक अंक का हमारे जीवन पर पूर्ण प्रभाव होता है। अंकों के माध्यम से न सिर्फ हम तरक्की करते हैं बल्कि खराब अंक हमारे जीवन में दिक्कतें भी पैदा करते हैं। एक अच्छा मोबाइल नंबर हमारी किस्मत बदल सकता है तो वहीं मोबाइल एक नंबर में मौजूद एक खराब अंक हमारे जीवन को बुरी तरह दुविधाओं के जाल में फांस सकता है। आज हम ऐसे अंको के बारे में चर्चा करेंगे जो हमारे कामों को रोक देते हैं और जीवन में कष्ट और दिक्कतों का अंबार लगा देते।

मोबाइल नंबर में 67 अथवा 76 का होना : पूरे मोबाइल नंबर में यदि अंक 67 और 76 कहीं भी एक जगह पर आ जाते हैं तो ऐसा व्यक्ति अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य की वजह से परेशान रहता है। इनके जीवन साथी का स्वास्थ्य इस कदर बिगड़ जाता है कि उसकी वजह से उनके सभी कार्य प्रभावित होने लगते है।

इनकी मैरिड लाइफ पूरी तरह से बिगड़ी हुई रहती है। यह हमेशा अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य और व्यवहार की वजह से चिंतित रहते हैं। इनका अधिकतर धन उसके ऊपर व्यर्थ ही खर्च हो जाता है।

इस योग मुद्रा से आपके ज्ञान और शक्ति में वृद्धि होगी

त्रिखंड मुद्रा लाती है मानसिक शांति और स्थिरता

यूनिक समय, मथुरा। मुद्राओं का प्रचलन वेदकाल से संसार में चला आ रहा है। इस संसार में हमारे जीवन की बहुत सी समस्याओं का निराकरण ऋषि मुनियों द्वारा मुद्राओं की माध्यम से किया गया है। यह मुद्रा हमें किसी भी संकट से निकलने में मदद करती है। वेदकाल के समय ना लोगों के पास सुविधा थी और ना ही संसाधन। उस समय अपनी इच्छापूर्ति के लिये ऋषियों ने आमजन के लिये मुद्राज्ञान दिया। इससे लोगों की अनेकों समस्याओं का समाधान हुआ। आज हम देवी की त्रिखंड मुद्रा का दैनिक जीवन में इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं इस पर चर्चा करेंगे।

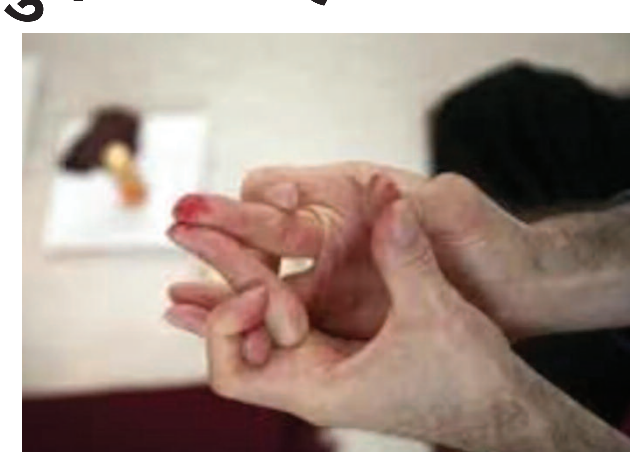

त्रिखंड मुद्रा : त्रिखंड मुद्रा देवी नित्य सुंदरी की 10 मुद्राओं में से एक प्रमुख मुद्रा है। इस मुद्रा का वर्णन वामकेश्वरतंत्र में किया गया है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्रा है इस पूजा के दौरान प्रयोग किया जाता है। यह मुद्रा देवी के तीन खंड का प्रतिनिधित्व करती है जो ज्ञान और शक्ति एवं इच्छा में वृद्धि करते हैं। इस मुद्रा का वर्णन वामकेश्वरतंत्र के तीसरे अध्याय में किया गया है।

कैसे करें त्रिखंड मुद्रा : त्रिखंड मुद्रा के लिए आपको सबसे पहले अपने दोनों हाथों को मिलाकर उंगलियों को अपने अंगूठे से जोड़ना होगा। इसके बाद अपनी उंगलियों को एक साथ सिकोड़ना होगा। इसके पश्चात अपनी उंगलियों को त्रिकोण के आकार में बनाकर देवी के समक्ष प्रार्थना करनी चाहिए। यह मुद्रा व्यक्ति के प्रत्येक उद्देश्य को पूरा करती है।

त्रिखंड मुद्रा के लाभ : त्रिखंड मुद्रा करने से व्यक्ति की बुद्धि में वृद्धि होती है क्योंकि इसका एक खंड देवी के ज्ञान खंड का प्रतिनिधित्व करता है। यह मुद्रा व्यक्ति के अंदर साहस को बढ़ाती है इसका दूसरा खंड देवी के शक्तिखंड का प्रतिनिधि है। इस मुद्रा को करने से व्यक्ति की व्यवहारिकता में वृद्धि होती है और इच्छाओं की पूर्ति होती है इसका तीसरा खंड देवी के इच्छा खंड का प्रतिनिधि है।

मानसिक शांति मिलती है : इस तनावपूर्ण दैनिक जीवन में व्यक्ति को इस मुद्रा के द्वारा मानसिक शांति और जीवन में स्थिरता मिलती है।यह मुद्रा जीवन के तीनों करो में संतुलन बनाने में कार्य करती है। इस मुद्रा को दैनिक रूप से कम से कम 5 मिनट अवश्य करना चाहिए।

सम्पादकीय

वैश्विक आतंक के खिलाफ अमरीका की दोहरी नीति

भारत सरकार ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंक से निपटने की नीति में बदलाव लाकर इस लड़ाई को नई दिशा दे दी है। अब घर में घुसकर आतंकियों का सफाया करना (न्यू नॉर्मल) मान लिया गया है। इस (न्यू नॉर्मल) को दुनिया न सिर्फ स्वीकार करे बल्कि सहयोग भी दे, इसके लिए प्रतिनिधिमंडल भेजे जा रहे हैं। दूसरी तरफ, पाकिस्तान, आतंकियों और उनकी हरकतों को राजनीति की मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान के सियासी नेताओं और सैन्य अफसरों के भारतीय हमले में मारे गए आतंकियों के अंतिम संस्कार में सार्वजनिक रूप से नजर आना यही बताता है कि अब आतंकियों का खुल्लम–खुल्ला इस्तेमाल होने वाला है।

पवन गौतम
संपादक

पाकिस्तान में खुलेआम रैली कर रहे लश्कर–ए–तैयबा के कमांडर सैफुल्लाह कसूरी की सार्वजनिक उपस्थिति और पहलगाम हमले पर उसकी स्वीकारोक्ति को भी इसी नजरिये से देखे जाने की जरूरत है। इस पृष्ठभूमि में एक और बात उतनी ही महत्त्वपूर्ण है– आतंक के खिलाफ अमरीका की दोहरी कूटनीति। वैश्विक आतंक के खिलाफ लड़ाई में स्वयंभू अगुवा बने अमरीका की नीति पाकिस्तान को लेकर भी हमेशा से लचीली रही है। पिछले सात दशक में यह बार–बार साबित हुआ है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पाकिस्तान से अमरीका के रिश्ते अडिग रहे हैं। वह दशकों से पाकिस्तान को दक्षिण एशिया और मध्य–पूर्व के बीच रणनीतिक सहयोगी के रूप में इस्तेमाल करता है। उसे आतंक को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों से भी परहेज नहीं रहा है। पिछले दिन पाकिस्तान के मंत्रियों ने टीवी कैमरों के सामने यह स्वीकार किया था। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के बीच भी पाकिस्तान को आइएमएफ से आर्थिक मदद दिलाने में अमरीका ने अहम भूमिका निभाई है। वैसे भी भारत में आतंकी हमलों पर अमरीकी सरकार की प्रतिक्रिया निंदा करने तक सीमित रही है। वजह भी अमरीका की दोहरी कूटनीति ही है। दरअसल, अमरीका की नीति भू–राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। वह एक तरफ भारत की बढ़ती आर्थिक हैसियत का व्यापार में फायदा उठाना चाहता है तो दूसरी तरफ भारत और चीन के बढ़ते वैश्विक कद को कमतर करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल भी करना चाहता है। यह दोहरा और परस्पर विपरीत बर्ताव अमरीका के लिए (नॉर्मल) है। पाकिस्तान ने पहलगाम में आतंकी हमले कराने के लिए उस समय का चयन किया जब अमरीकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर थे। वेंस ने भी हमले और उसके बाद की प्रतिक्रियाओं में पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त कर ही पल्ला झाड़ लिया। अब समय है जब भारत अमरीका के इस दोहरे रवैये को वैश्विक मंच पर चुनौती देते हुए अपनी विदेश नीति में आत्मनिर्भरता और स्पष्टता का परिचय दे। आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई किसी रणनीतिक संतुलन की मोहताज होने के बजाय मानवता के पक्ष में निष्ठावान संकल्प होना चाहिए।

नजरिया

हिन्दी पत्रकारिता: व्यवसाय नहीं, एक मिशन का रूप

राजकुमार गौतम

हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास स्वाधीनता संग्राम की गर्जनाओं से गूंजता रहा है। यह मात्र समाचारों का संकलन और प्रसारण नहीं, बल्कि समाज के उत्थान, राष्ट्र की चेतना और जनमानस को दिशा देने का एक सशक्त माध्यम रहा है। परंतु वर्तमान समय में पत्रकारिता के स्वरूप में भारी बदलाव आया है। अब यह मिशन कम और व्यवसाय अधिक बनती जा रही है। ऐसे में आवश्यक है कि हिन्दी पत्रकारिता को पुनः एक मिशन के रूप में स्थापित किया जाए।

हिन्दी पत्रकारिता की नींव 30 मई 1826 को 'उदन्त मार्तण्ड' नामक साप्ताहिक समाचार पत्र से पड़ी, जिसके संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल थे। उस समय पत्रकारिता सेवा भावना से प्रेरित थी। पत्रकार अपने लेखन के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत के अन्यायों के विरुद्ध आवाज उठाते थे। 'हिन्दुस्तान', 'अभ्युदय', 'प्रभा', 'सारथी', 'कर्मवीर' जैसी पत्र–पत्रिकाएं आम जनता की भावना और संघर्ष की अभिव्यक्ति बनकर उभरीं। पत्रकारों ने न केवल कलम चलाई, बल्कि जेल गए, यातनाएं सही और बलिदान भी दिए।

आजादी के बाद पत्रकारिता का स्वरूप बदलने लगा। जब तक यह मूल्य और सेवा भाव पर टिकी रही, तब तक इसका सामाजिक प्रभाव सकारात्मक रहा। लेकिन जैसे–जैसे बाजारवाद ने अपने पांव पसारे, पत्रकारिता भी उसके प्रभाव में आती चली गई। समाचार पत्र–पत्रिकाएं और न्यूज़ चैनल अब 'टीआरपी' और 'प्रॉफिट मार्जिन' के पीछे भागने लगे। बड़े मीडिया घराने कॉरपोरेट हितों के अधीन हो गए और पत्रकारिता का उद्देश्य जनसेवा से हटकर विज्ञापन जुटाने, मनोरंजन परोसने और सनसनी फैलाने तक सीमित होता गया।

आज हिन्दी मीडिया का एक बड़ा हिस्सा "बिकाऊ पत्रकारिता" की ओर झुक गया है। तथ्यों की जगह भावनाओं को, विश्लेषण की जगह उत्तेजना को और सच्चाई की जगह भ्रामक सूचनाओं को परोसा जा रहा है। इससे पत्रकारिता की विश्वसनीयता को गहरा आघात पहुंचा है। लेकिन इन चुनौतियों के बीच कुछ पत्रकार, समाचार पत्र और चैनल आज भी ईमानदारी से सच्चाई को उजागर करने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों को बल देने और सम्मानित करने की आवश्यकता है, ताकि पत्रकारिता का मूल चरित्र जीवित रह सके।

वर्तमान समय में पत्रकारों को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक ओर कॉरपोरेट दबाव है तो दूसरी ओर राजनीतिक हस्तक्षेप। स्वतंत्र पत्रकारों के पास न तो पर्याप्त संसाधन होते हैं और न ही कानूनी सुरक्षा। कई बार सच्चाई बोलने पर उन्हें धमकियों, मुकदमों और हिंसा का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, पत्रकारिता में प्रवेश करने वाले युवाओं के पास नैतिक मूल्यों और भाषा के प्रति गहरी समझ नहीं होती, जिससे उनके लेखन में सतहीपन और बाजारू सोच आ जाती है।

डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने भी खबरों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता को प्रभावित किया है। सोशल मीडिया और वेब पोर्टलों के माध्यम से फेक न्यूज का बोलबाला बढ़ गया है।

इन समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक है कि पत्रकारिता को एक बार फिर मिशन बनाया जाए। इसके लिए पत्रकारिता संस्थानों में नैतिक शिक्षा, सामाजिक सरोकार और भाषा की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पत्रकारिता को सिर्फ तकनीकी ज्ञान तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसमें मानवीय मूल्यों की स्थापना अनिवार्य की जाए। इसके साथ ही पाठकों और दर्शकों को भी जागरूक होना होगा ताकि वे बाजारू सामग्री और वास्तविक पत्रकारिता में फर्क समझ सकें। स्थानीय पत्रकारिता को भी बल देने की आवश्यकता है। छोटे कस्बों और गाँवों से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता दी जाए, जिससे आम जन की आवाज सामने आ सके। ऐसे पत्रकार जो सच्चाई उजागर करने का साहस करते हैं, उन्हें सामाजिक और कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए ताकि वे बिना भय के अपना कार्य कर सकें। हिन्दी पत्रकारिता में भाषा की शुद्धता, स्पष्टता और गरिमा बनाए रखना भी अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि हमारी संस्कृति की वाहक भी है।

आज डिजिटल मीडिया ने आम आदमी को भी पत्रकार बना दिया है। ब्लॉग्स, यूट्यूब चैनल्स, पॉडकास्ट जैसे माध्यमों ने अभिव्यक्ति की आजादी को नया रूप दिया है। यह अवसर है - जनता की बात सीधे जनता तक पहुँचाने का। लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है - कि जो कहा या लिखा जाए, वह तथ्यपरक, संतुलित और उद्देश्यपूर्ण हो।

युवाओं को यह समझना होगा कि पत्रकारिता केवल करियर या मंच पर दिखने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का एक दायित्व है। उन्हें इस पेशे को केवल आजीविका नहीं, बल्कि जनसेवा के रूप में अपनाना चाहिए। सही सवाल उठाना, निर्भीकता से लिखना और सच्चाई के लिए खड़ा होना- यही पत्रकारिता का मूल है।

हिन्दी पत्रकारिता को फिर से मिशन बनाना समय की मांग है। यह केवल समाचार देने का साधन नहीं, बल्कि समाज की आत्मा है। जब तक पत्रकारिता ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और जनहित के मूल्यों पर आधारित रहेगी, तब तक वह समाज का दर्पण बनी रहेगी। हमें यह तय करना होगा कि हम पत्रकारिता को व्यवसाय के चश्मे से देखना चाहते हैं या राष्ट्र निर्माण के औजार के रूप में। यह निर्णय केवल पत्रकारों का नहीं, बल्कि समूचे समाज का है।

विचार विण्डो

हिंदी पत्रकारिता का जन्म प्रतिरोध की कोख से हुआ है

विवेक दत्त मथुरिया

हम चींख हैं पुकार हैं इस गूंगी बहरी प्रजा की, कलमकार हैं हम, किसी राजा के दरबार नहीं।

कुंवर बेचैन की यह पंक्तियां पत्रकारिता के मकसद को रेखंकित करती हैं। भारत में हिंदी पत्रकारिता की बात की जाए तो इसकी बुनियाद में प्रतिरोध और बलिदान का ईंट गारा लगा था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्रकारिता ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन अखबारों ने जनता को जागृत किया, राष्ट्रीयता की भावना को प्रबल किया और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाई।

हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत कोलकाता से उदंत मार्तंड से हुई। 30 मई, 1826 को प्रकाशित होने वाला पहला हिंदी अखबार था। हालाँकि इसका जीवनकाल बहुत छोटा रहा, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी। 30 मई को "हिंदी पत्रकारिता दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

1913 में कानपुर से गणेश शंकर विद्यार्थी द्वारा प्रकाशित प्रताप अखबार स्वतंत्रता आंदोलन में एक मुखर आवाज बना। इसने क्रांतिकारियों को एक मंच प्रदान किया। शहीदे आजम भगतसिंह ने भी बतौर पत्रकार विद्यार्थी जी के साथ काम किया। इस अखबार ने जनता को आंदोलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी और लोकमान्य तिलक जैसे नेताओं ने भी इस अखबार को सराहा।

अभ्युदय मदन मोहन मालवीय द्वारा 1907 में शुरू किया गया यह समाचार पत्र भी भारतीय राजनीति और जनमानस के बीच अपनी जगह बनाने में सफल रहा।

कर्मयोगी यह भी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समाचार पत्रों में से एक था।

स्वराज्य शांति नारायण भटनागर द्वारा 1907 में शुरू की गई यह साप्ताहिक पत्रिका भी स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय थी। आज 1920 के दशक में प्रकाशित 'आज' ने भी राष्ट्रवादी विचारों को फैलाने में योगदान दिया। कर्मवीर यह भी उस समय के महत्वपूर्ण हिंदी समाचार पत्रों में से एक था। स्वदेश 1921 में प्रकाशित यह समाचार पत्र भी लोगों को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ने में सहायक था। जागरण 1929 में शुरू हुआ 'जागरण' भी स्वतंत्रता संग्राम के समय महत्वपूर्ण रहा। हरिजन महात्मा

गांधी द्वारा प्रकाशित यह पत्रिका (यद्यपि यह मुख्य रूप से अंग्रेजी में थी, इसके हिंदी संस्करण भी थे) अहिंसा और सविनय अवज्ञा के उनके विचारों को प्रसारित करने में महत्वपूर्ण थी और स्वतंत्रता आंदोलन के संदेश को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में सहायक थी। इन अखबारों ने न केवल ब्रिटिश नीतियों की आलोचना की, बल्कि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी आवाज उठाई और जनता में राष्ट्रवाद की भावना को प्रज्वलित करने का काम किया। दैनिक हिंदुस्तान 1932 में शुरू हुआ था और महात्मा गांधी द्वारा उद्घाटित किया गया था। सेंसरशिप का विरोधः 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान, "हिंदुस्तान" लगभग 6 महीने तक बंद रहा, जो ब्रिटिश सरकार की सेंसरशिप के विरोध में एक महत्वपूर्ण कदम था।

अखबारों ने स्वतंत्रता के संदेश को जन–जन तक पहुँचाया और लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत किया।

अखबारों ने ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीतियों, आर्थिक शोषण और अन्य अन्यायपूर्ण कृत्यों की खुलकर आलोचना की। इन अखबारों ने आम जनता को तत्कालीन राजनीतिक और सामाजिक वास्तविकताओं से अवगत कराया, जिससे जनमत तैयार हुआ और स्वतंत्रता आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला। समाचार पत्रों ने स्वतंत्रता सेनानियों और नेताओं के विचारों और संदेशों को लोगों तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। आंदोलनों को संगठित करनाः कई बार, अखबारों ने विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों के बारे में जानकारी प्रकाशित करके लोगों को एकजुट करने और उन्हें संगठित करने में मदद की। कुछ अखबारों ने क्रांतिकारी विचारों और गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया, जिससे युवाओं में उत्साह और बलिदान की भावना पैदा हुई।

अगर अपवादों की बात छोड़ दी जाए तो मौजूदा दौर की हिंदी पत्रकारिता दलदल में तब्दील हो चुकी है। मुख्यधारा के पत्रकारीय संस्थान सत्ता की पीआर एजेंसी से ज्यादा कुछ नहीं रह गए। जो पत्रकारिता अपने आदर्श रूप में लोकतंत्र में जनता की ओर से स्थाई विपक्ष हुआ करता थीं, अब वह भाड़े का बैंड बन कर रह गई है। बड़े मीडिया हाउस में पत्रकारों का शोषण बढ़ा है। सरोकारों की पत्रकारिता एक रस्मअदायगी भर रह गई है। वर्तमान में पत्रकारों के हालातों को बयां करता यह शेर मौजू है–

बड़ा महीन है अखबार का ये मुलाजिम भी,
खुद में खबर है, मगर दूसरों की छापता है।

कॉरपोरेट मीडिया में खबर को एक उत्पाद के रूप में परोसा जा रहा है, जिसने लोकतंत्र को बुरी तरह बीमार कर दिया है।

झूठ के घटाटोप ने सच के सूरज को ढकने की असफल कोशिश की जा रही है, पर इंटरनेट क्रांति ने सोशल मीडिया के रूप में जन्मे वैकल्पिक मीडिया झूठ के मीडिया को चुनौती दे रहा है। सोशल मीडिया की राह में भी कम चुनौतिया कम नहीं है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर रात की एक सुबह तय है।

बारिश में भीगे बिना भी हो सकता है फ्लू

यूनिक समय, नई दिल्ली। बारिश के मौसम में नहाना, लॉन्ग ड्राईव पर निकलना, कुछ मसालेदार खाना किसी सेलिब्रेशन से कम नहीं है। पर यह मौसम अपने साथ कुछ बीमारियां भी लेकर आता है। फ्लू बरसात में होने वाली ऐसी ही एक समस्या है, जिसके बारे में जानना उससे बचाव का महत्वपूर्ण तरीका हो सकता है।

मानसून का आना किसे अच्छा नहीं लगता? इस मौसम में बारिश की बूंदें चिलचिलाती गर्मी से राहत देती हैं। लेकिन इसी मौसम में बहुत सारी बीमारियों का जोखिम भी बढ़ जाता है। खासतौर से बुजुर्गों और छोटे बच्चों के लिए। जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है। अगर आप वर्किंग मॉम हैं, तो इस मौसम में आपको अपने और अपने बच्चों दोनों की सेहत के बारे अतिरिक्त ध्यान देना पड़ सकता है। इस मौसम में अन्य जल और मच्छर जनित बीमारियों के अलावा फ्लू का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए, जरूरी है कि मानसून में अपने बच्चों को फ्लू से बचाने के लिए आप भी इससे जुड़े मिथ्स और फैक्ट के बारे में अच्छी तरह जान लें।

मिथ : बारिश में भीगने से फ्लू होता है।

सचः फ्लू वायरस के कारण होता है, बारिश में भीगने से नहीं।

असल में फ्लू वायरस चार प्रकार के होते हैं और वे सर्दी के मौसम में व नमी वाले मौसम में उभरते हैं। इसलिए, मानसून के दौरान इनका प्रसार बढ़ जाता है। बच्चे बारिश में भीगें या पूरे मौसम में बारिश के पानी से बचे रहें, तब भी इन वायरस की चपेट में आ सकते हैं।

हालांकि यह सच है कि ज्यादा समय तक गीला रहने से बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे फ्लू जैसे संक्रमण की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है। टीका इस तरह के वायरस से बच्चों की हिफाजत कर सकता है और उन्हें फ्लू की चपेट में आने से बचा सकता है।

मिथ : बारिश में बच्चों को घर के अंदर रखने से फ्लू से बचाव हो सकता है।

सचः बच्चों को फ्लू का संक्रमण घर के अंदर या बाहर कहीं से भी हो सकता है। किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बात करने से हवा में बनने वाले सूक्ष्म ड्रॉपलेट्स से फ्लू का प्रसार होता है। ये ड्रॉपलेट किसी वस्तु या सतह, जैसे स्कूल की डेस्क, खिलौने या दरवाजे पर भी जमा हो सकते हैं। ऐसे में अगर बच्चे ऐसी किसी सतह को छूने के बाद नाक या मुंह को छू लें, तो वे संक्रमण का शिकार हो सकते हैं।

फ्लू का टीकाकरण बच्चों को ऐसे फ्लू और उसके कारण होने वाली जटिलताओं से बचा सकता है। इसके अलावा, बच्चों को समय–समय पर साबुन और पानी से हाथ धोने के लिए प्रेरित करना और बिना जरूरत आंख, नाक या मुंह को छूने से बचने की सीख देना भी बहुत महत्वपूर्ण है।

मिथ : बारिश से पहले फ्लू से बचाव का एक टीका जीवनभर फ्लू से बचा सकता है।

सचः फ्लू से बचाव के लिए हर साल टीका लगवाने की जरूरत होती है।

'शेपशिफ्टर्स' की तरह फ्लू के वायरस हर साल अपना स्वरूप बदलते रहते हैं। इसीलिए इनसे बचाव के लिए हर साल टीका लगवाने की जरूरत पड़ती है। डब्ल्यूएचओ हर साल उस समय के वायरस के विश्लेषण के आधार पर फ्लू का टीका तैयार करने के लिए फॉर्मूलेशन को अपडेट करता है। इसीलिए जरूरी है कि अपने बच्चों को फ्लू से बचाव के लिए हर साल टीका लगवाएं।

मानसून के दौरान बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए। कई बार फ्लू के कारण सांस लेने में परेशानी जैसी कुछ गंभीर परेशानियां हो जाती हैं। जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ सकता है। यहां तक कि सामान्य मामलों में भी कई बार बच्चों को पूरी तरह ठीक होने में कई हफ्ते का समय लग जाता है और उन्हें कुछ जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है।

इस बार मानसून में अपने बच्चों को फ्लू का शिकार न होने दें। अपने पीडियाट्रिशियन से आज ही फ्लू से बचाव के टीके के बारे में बात करें।

एक दिन में कितनी वॉक करनी चाहिए?

यूनिक समय, नई दिल्ली। वॉक करना आपकी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। ये एक ऐसा तरीका है जिससे शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है और दूसरा ये आपके दिल और फेफड़े के काम काज को बेहतर बनाता है। इसके अलावा भी वॉक करने के कई फायदे हैं। लेकिन, सवाल ये है कि वॉक के तमाम फायदे को पाने के लिए हमें 1 दिन में कितना वॉक करना चाहिए। साथ ही क्या इसका सही समय, वॉक के फायदे को बढ़ा सकते हैं। क्यों और कैसे, जानते हैं।

एनएचएस की मानें तो आपको 1 दिन में लगभग 150 मिनट वॉक करना चाहिए। यानी कि लगभग ढाई घंटा वॉक करना आपको कई समस्याओं से बचा सकता है। वैसे समझें तो आपको हर दिन 4 हजार से 6 हजार कदम वॉक करना चाहिए। अगर आपके पास समय नहीं है तो आपको रोजाना कम से कम 30 मिनट तक वॉक करना चाहिए। ताकि, आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से बचे रहें। ब्रिस्क वॉक का सही तरीका आपको पता होना चाहिए। जैसे कि पहले तो आपको एक गति में ही वॉक करना चाहिए। यानी कि न बहुत ज्यादा तेज, न बहुत ज्यादा धीमे। पहले तो अपना सिर ऊपर रखें, आगे देखें। अपनी गर्दन, कंधों और पीठ को आराम दें, लेकिन आगे की ओर न झुकें। अपनी पीठ को सीधा रखें और अपने पेट की मांसपेशियों को संलग्न करें। अपनी गर्दन, कंधों और पीठ को आराम दें। एक स्थिर चाल के साथ चलें।

ब्रिस्क वॉक का सही समय सुबह या शाम का वक्त है। इस दौरान आपको बस ध्यान में ये बात रखनी है कि इन दोनों ही समय में ऐसे वक्त का चुनाव करें जब आप तेजी से चल सकें। यानी कि ऐसा न हो कि आप गर्मी या उमस के कारण चल न पाएं। तो, चलते समय इन तमाम बातों का ध्यान रखें और वॉक करें।

Accredited by: INS INDIA NEWSPAPER SOCIETY
UNICOM ADVERTISING
Unicom Digital Digital Marketing Company
यूनिक समय हर खबर समय पर...
Info@unicomadvertising.com | Unicomadvertising.com 9837155888, 9837115157
MATHURA | NEW DELHI | AGRA | LUCKNOW | NOIDA | DEHRADUN

जौनपुर में दर्दनाक बस हादसे में पांच की मौत, 15 घायल

यूनिक समय, जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि 15 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब एक प्राइवेट बस, जिसमें कुल 45 यात्री सवार थे, शिवगुलामगंज हाईवे पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह बस "हिम्मत बस सर्विस" की थी और जौनपुर शहर की ओर जा रही थी। सुबह लगभग 8:40 बजे बस अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही बक्शा थाने के प्रभारी विक्रम लक्ष्मण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

इस हादसे में दो पुरुषों और तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल पांच यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

घटना के बाद जौनपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ कुमार, एएसपी ग्रामीण तपिश कुमार सिंह और सीओ सदर परमानंद कुशवाहा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और राहत कार्यों की निगरानी की। जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते समय पर घायलों को इलाज मिल सका। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के

मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक, दिए राहत कार्य तेज करने के निर्देश

परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दी जाए और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

यह हादसा एक बार फिर से सड़कों पर यातायात नियमों की अनदेखी और वाहन संचालन की लापरवाही की ओर संकेत करता है। प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि घटना के असली कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

फाइनेंस कंपनी पर करोड़ों रुपये हड़पने का आरोप

यूनिक समय, बरेली/बदायूं। अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी पर हजारों लोगों से करोड़ों रुपये हड़पने का आरोप लगा है। पिछले 30 वर्षों से संचालित यह कंपनी एफडी और आईडी के नाम पर निवेशकों से पैसा जमा कर रही थी। शुक्रवार को खबर फैली कि कंपनी भाग गई है, जिससे बदायूं और बरेली में अफरा-तफरी मच गई।

बदायूं के मीरा सराय, शेखूपुर रोड स्थित दफ्तर पर सैकड़ों ग्राहक जमा हो गए और हंगामा शुरू हो गया। बरेली में भी महिलाओं ने कंपनी मालिक के घर का घेराव किया और फूट-फूटकर रोती रहीं। पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई लालच देकर ठग ली गई।

आराधना साहू ने रोते हुए बताया कि उनके छोटे भाई ने 25 लाख रुपये जमा किए थे। उसने इस चक्कर में अपना घर तक बेच डाला। लेकिन भुगतान न मिलने से वह डिप्रेशन में चला गया और उसकी मौत हो गई। ऐसी ही कई दर्दनाक कहानियां सामने आईं।

ग्राहकों के अनुसार कंपनी करीब 15,000 निवेशकों को एक अरब

बदायूं में हंगामा, बरेली में फूट-फूटकर रोईं महिला

रुपये से अधिक का भुगतान करने में असमर्थ है। जबकि भुगतान की निर्धारित अवधि एक साल पहले ही निकल चुकी है। आरोप है कि कंपनी आज-कल कहकर लगातार भुगतान टालती रही।

शुक्रवार को जब यह जानकारी मिली कि कंपनी ने रातोंरात ऑफिस खाली कर दिया है और सारे एसी, कंप्यूटर, फर्नीचर आदि गायब हैं, तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा। सदर कोतवाली पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए आश्वासन दिया कि कंपनी के मालिक को बुलाकर जांच की जाएगी और ग्राहकों की रकम वापस दिलाने की कोशिश की जाएगी।

फिलहाल पुलिस ने तीन एजेंटों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और कंपनी मालिक की तलाश की जा रही है। निवेशकों की मांग है कि उन्हें जल्द से जल्द न्याय और उनका पैसा वापस मिले।

भाजपा नेत्री के बेटे के वायरल अश्लील वीडियो पर सियासी भूचाल

यूनिक समय, मैनपुरी। भाजपा महिला मोर्चा की एक प्रमुख नेत्री के बेटे के कथित अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद मैनपुरी में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर करीब 130 वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें युवक एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहा है। यह वीडियो अलग-अलग होटलों और रेस्टोरेंट्स में बनाए गए बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार युवक, शहर के एक मशहूर मिष्ठान भंडार संचालक के रिश्तेदार हैं। युवक पहले से विवाहित है और उसका अपनी पत्नी से चार वर्षों से विवाद चल रहा है। पत्नी ने पहले भी उसके खिलाफ मानसिक उत्पीड़न और हिंसा की शिकायत की थी, लेकिन मामला राजनीतिक रसूख के चलते दबा दिया गया था।

वीडियो सामने आने के बाद भाजपा की संबंधित नेत्री ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और पार्टी संगठन भी चुप्पी साधे हुए है। वहीं विपक्षी दलों ने इसे मुद्दा बनाकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोपाल कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा फर्क है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आरोपी पर कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। सपा जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य ने पीड़िता को न्याय दिलाने का भरोसा दिया, जबकि बसपा ने इस कृत्य को समाज विरोधी बताया।

इस पूरे मामले ने भाजपा को बैकफुट पर ला खड़ा किया है, वहीं जनता के बीच पार्टी की छवि पर भी सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन की निष्क्रियता पर भी लोग नाराजगी जता रहे हैं।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद बोलीं शुभम द्विवेदी की पत्नी

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या से भी मुलाकात की। ऐशान्या ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस घटना से बेहद दुखी थे। दुख का भाव उनके चेहर पर झलक रहा था। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई लंबी चलेगी।

कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या से भी मुलाकात की। ऐशान्या ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस घटना से बेहद दुखी थे।

दुख का भाव उनके चेहर पर झलक रहा था। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई लंबी चलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐशान्या से पहलगाम हमले से जुड़ी

'वो दुखी थे...कहा ये लड़ाई लंबी है'

घटनाओं के बारे में पूछा। ऐशान्या ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा देश और सरकार उनके साथ खड़ी है। पीएम मोदी ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में कानपुर के शुभम द्विवेदी की भी आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिस वक्त आतंकियों ने यह हमला किया उस वक्त ऐशान्या शुभम के साथ मौजूद थीं।

15 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास के अवसर पर पीएम मोदी बोले

आतंक के खिलाफ भारत के तीन मुख्य सूत्र

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को एक बार फिर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और भारत आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। यूपी के कानपुर में 47,600 करोड़ रुपये की लागत वाली 15 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के अवसर पर पीएम मोदी ने यह संदेश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी से भी मुलाकात की और उनके परिवार के दर्द को समझा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद उन्होंने अपना कानपुर दौरा टाल दिया था, क्योंकि उस हमले में शुभम द्विवेदी ने जान गंवाई थी। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लोगों ने बेटियों का दर्द और गुस्सा 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में देखा।

पीएम मोदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को सैकड़ों किलोमीटर अंदर तक तबाह कर दिया, जिससे पाकिस्तानी सेना युद्ध रोकने को मजबूर हो गई। उन्होंने कहा, "हमारी सेना की वीरता को स्वतंत्रता संग्राम की धरती से सलाम करता हूं।"

आतंकवाद के खिलाफ भारत ने तीन महत्वपूर्ण सूत्र तय किए हैं: भारत हर आतंकवादी हमले का करारा जवाब देगा, और इसकी रणनीति सेना खुद तय करेगी। भारत परमाणु धमकियों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। आतंक के प्रमुख और उसका समर्थन करने वाली सरकारों को भारत एक समान नजर से देखेगा।

प्रधानमंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का भी महत्व बताया। उन्होंने कहा कि पहले देश अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर था, लेकिन अब आत्मनिर्भरता के माध्यम से देश अपनी रक्षा और आर्थिक शक्ति दोनों को मजबूत कर रहा है। यह अभियान केवल अर्थव्यवस्था के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान के लिए भी बेहद जरूरी है।

पीएम मोदी का यह संदेश स्पष्ट करता है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी सख्ती और संयम के साथ लड़ाई जारी रखेगा, और देश की सुरक्षा और विकास में कोई समझौता नहीं होगा।

तेजस राजधानी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की साजिश नाकाम

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज रेलवे डिवीजन में गुरुवार रात एक बड़ा रेल हादसा होने से बच गया जब कुछ अराजक तत्वों ने तेजस राजधानी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की साजिश रची। भीरपुर और मेजा रोड रेलवे स्टेशनों के बीच डाउन ट्रैक पर अज्ञात व्यक्तियों ने बड़े-बड़े बोल्डर और गिट्टियां रख दी थीं। सौभाग्यवश, लोको पायलट की सतर्कता से यह साजिश नाकाम हो गई और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना रात में उस समय हुई जब सुपरफास्ट तेजस राजधानी एक्सप्रेस प्रयागराज से होकर गुजर रही थी। ट्रैक पर असामान्य वस्तुएं देखकर लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन को रोक दिया और अधिकारियों को सूचित किया। ट्रेन करीब 10 मिनट तक घटनास्थल पर खड़ी रही। सूचना मिलते ही छिवकी स्टेशन से आरपीएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और पूरे इलाके

लोको पायलट की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

की सघन जांच की गई। रेलवे के अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर लोको पायलट के बयान और फोटोग्राफी के आधार पर संयुक्त निरीक्षण नोट तैयार किया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि घटना किलोमीटर संख्या 794/18-16 पर हुई, जहां जानबूझकर बोल्डर रखकर ट्रेन को पलटने की कोशिश की गई। सौभाग्य से, इसमें किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। इस गंभीर मामले में आरपीएफ ने अज्ञात अराजकतत्वों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच प्रारंभ कर दी गई है। रेल प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का आश्वासन दिया है।

सार संक्षेप

जनता काम की राजनीति को ही वोट देगी : केजरीवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। लुधियाना रोड शो में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि जनता अब सिर्फ काम की राजनीति को वोट देगी। संजीव अरोड़ा ने नामांकन दाखिल किया।

सवर्ण जातियों के विकास के लिए आयोग गठित

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार में चुनाव से पहले नीतीश कुमार की सरकार ने सवर्ण जातियों के विकास हेतु आयोग बनाया है। इसमें बीजेपी नेता महाचंद्र सिंह और जेडीयू नेता राजीव रंजन को प्रमुख जिम्मेदारी मिली।

पाक में महसूस किए गए भूकंप के झटके

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान में दोपहर 1:37 पर रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता वाला भूकंप आया। भूकंप विज्ञान केंद्र ने जानकारी दी, जान–माल की कोई क्षति की खबर नहीं है।

दिल्ली सीएम ने पेश किया 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 दिन की रिपोर्ट पेश करते हुए आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला। कहा– अब शीशमहल नहीं, काम करने वाली सरकार दिल्ली में है।

हमने अपनी शर्तों पर सैन्य कार्रवाई रोकी : रक्षा मंत्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई दी। बोले– भारत अब आतंकी हमलों को बर्दाश्त नहीं करता, मुंहतोड़ जवाब देता है। नौसेना और वायुसेना की भूमिका अहम रही।

सीबीआई ने ईडी अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। उड़ीसा में छापेमारी करने गई ईडी टीम के डिप्टी डायरेक्टर चिंतन रघुवंशी को सीबीआई ने 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। जांच एजेंसियों में हड़कंप।

पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। बमियाल सेक्टर के सिंबल पोस्ट के पास बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा है। पूछताछ जारी है। यह व्यक्ति रात में भारत की सीमा में घूम रहा था।

जम्मू-कश्मीर में टेरर लिंक केस में ताबड़तोड़ छापेमारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने घाटी में कई स्थानों पर टेरर लिंक केस को लेकर छापेमारी की। आतंकियों से संबंध रखने वालों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया।

छापेमारी में चीफ इंजीनियर ने खिड़की से नोटों की गड्डी फेंकी

करोड़ों रुपये नकद बरामद

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक बड़ी चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक मुख्य अभियंता के खिलाफ चलाए गए छापे के दौरान उसने पुलिस को हैरान करने वाली हरकत की। जब पुलिस टीम ने उनके कार्यालय और आवास पर छापा मारा, तो उन्होंने नोटों की बड़ी गड्डी खिड़की से बाहर फेंकनी शुरू कर दी। पुलिस ने मौके से करोड़ों रुपये नकद बरामद किए हैं, जो इस बात का संकेत है कि भ्रष्टाचार के गंभीर मामले सामने आ सकते हैं।

छापे के दौरान मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्य अभियंता पर संदिग्ध लेन-देन और गुप्त धन रखने के आरोप हैं। इस कार्रवाई के तहत पुलिस ने उनकी सभी जगहों पर तलाशी ली और नोटों के अलावा कई महंगे सामान और दस्तावेज भी बरामद किए। इस नकदी की गड्डी देखकर पुलिस की टीम भी दंग रह गई क्योंकि इतनी बड़ी रकम चोरी या रिश्वत के रूप में जुटाई गई लगती है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नोटों की गड्डी देखकर स्पष्ट हो गया है कि यह भ्रष्टाचार की एक जटिल साजिश का हिस्सा है। अभियंता के खिलाफ इस मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस ने कई अन्य संभावित आरोपियों की पहचान भी शुरू कर दी है। इस मामले में जल्द ही और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

स्थानीय प्रशासन और कानून–व्यवस्था के अधिकारी इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। वे दावा कर रहे हैं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ यह कार्रवाई एक बड़ा संदेश है और भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

यह मामला भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही दोषियों को कानून के कठोर कदमों का सामना करना पड़ेगा।

अंकिता हत्याकांड : 32 महीने बाद हुआ न्याय

तीनों आरोपी दोषी करार, उम्रकैद की सजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (एडीजे कोर्ट) ने बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में आज ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने वनंत्रा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को हत्या, साक्ष्य मिटाने और महिला के साथ दुर्व्यवहार जैसे गंभीर अपराधों में दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही तीनों पर 50–50 हजार रुपये का जुर्माना और अंकिता के परिवार को चार लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया गया है।

यह मामला 18 सितंबर, 2022 को सामने आया था, जब रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की हत्या कर उसका शव चीला शक्ति नहर में फेंका गया। एक सप्ताह बाद उसका शव बरामद हुआ। 30 जनवरी 2023 से इस मामले की सुनवाई शुरू हुई, जिसमें अभियोजन पक्ष ने 500 पेज का आरोप पत्र दायर किया और 47 अहम गवाह पेश किए। फैसले के दिन अदालत परिसर में भारी भीड़ उमड़ी और पुलिस को सख्त सुरक्षा प्रबंध करने पड़े। बावजूद इसके, भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। पूरे उत्तराखंड की नजरें इस फैसले पर टिकी थीं। हालांकि अदालत के इस फैसले से अंकिता के माता–पिता संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि जिन लोगों ने उनकी बेटी की जिंदगी छीन ली, उन्हें मौत की सजा मिलनी चाहिए थी। उन्होंने उच्च न्यायालय में अपील करने की बात कही है, ताकि दोषियों को फांसी की सजा दिलाई जा सके।

यह फैसला समाज में महिलाओं की सुरक्षा और न्याय की उम्मीद को मजबूती देता है, लेकिन पीड़ित परिवार अब भी पूर्ण न्याय की अपेक्षा में है।

भारतीय क्रिकेट वैभव सूर्यवंशी से पीएम मोदी की पटना एयरपोर्ट पर मुलाकात

यूनिक समय, नई दिल्ली। 14 साल के युवा क्रिकेटर और आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम का चमकता सितारा वैभव सूर्यवंशी को हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पटना एयरपोर्ट पर मिलने का सौभाग्य मिला। पीएम मोदी बिहार दौरे के दौरान वैभव और उनके माता–पिता से मिले और इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। राजस्थान रॉयल्स ने मेगा ऑक्शन में उन्हें 1 करोड़ 10 लाख रुपए में खरीदा था। 19 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हुए मैच में वैभव ने आईपीएल में सबसे कम उम्र में डेब्यू किया। इस मैच में उनकी शानदार बल्लेबाजी ने क्रिकेट प्रेमियों को प्रभावित किया।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में वैभव ने मात्र 35 गेंदों में शतक लगाकर आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। आईपीएल 2025 के अपने 7 मैचों में उन्होंने कुल 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 206.56 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है।

हालांकि राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल 2025 का सफर लीग स्टेज में ही खत्म हो गया, लेकिन वैभव की प्रतिभा ने भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई उम्मीद जगाई है।

पाकिस्तानी जासूस कासिम से बड़े खुलासे

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के डीग से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस मोहम्मद कासिम ने दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि कासिम ने लाहौर के आर्मी कैंप में कक के तीन अफसरों शाहजी, ताऊजी और वकास से ट्रेनिंग ली थी। इस दौरान उसे भारतीय सेना के स्टेशन और आर्मी मूवमेंट की जासूसी करने के लिए तैयार किया गया था। कासिम ने अलवर आर्मी स्टेशन की गाड़ियों की मूवमेंट की तस्वीरें खींचीं और उनकी टाइमिंग नोट की।

स्पेशल सेल कासिम से आईएसआई के ट्रेनिंग कैंप की लोकेशन, ट्रेनिंग के प्रकार और उनके हैंडलर्स से संपर्क के तरीकों की जानकारी जुटा रही है। जांच में पता चला है कि कासिम के परिवार के कुछ सदस्य भी संदिग्ध हैं, जिनमें उसका भाई हसीन और चचेरे भाई अफजल और इश्तियाक शामिल हैं। अफजल गंगौरा गांव में मदरसा बना रहा है, जहां फंडिंग भी की जा रही है।

कासिम पर पहले किडनैपिंग का केस भी था और वह 5 साल तिहाड़ जेल में बंद रहा। स्पेशल सेल कासिम से यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने जासूसी के लिए कौन–कौन से गैजेट्स और डिवाइस इस्तेमाल किए और उसने जासूसी के बदले कितना पैसा लिया।

सिक्किम की तीस्ता नदी में गिरी पर्यटकों से भरी गाड़ी

एक की मौत, दो घायल, आठ लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिक्किम के उत्तरी मंगन जिले में गुरुवार की रात हुए एक दर्दनाक हादसे में एक पर्यटकों से भरी एक गाड़ी तीस्ता नदी में जा गिरी। इस गाड़ी में 11 पर्यटक सवार थे। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, और 8 अन्य पर्यटक अभी लापता हैं। यह हादसा लाचेन–लाचुंग हाईवे पर मुन्सीथांग के पास हुआ, जहां वाहन करीब 1,000 फीट गहरी खाई में गिरकर तीस्ता नदी में समा गया। मंगन के पुलिस अधीक्षक सोनम डेत्चु भूटिया ने बताया कि बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 2 घायल लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। एक शव बरामद किया गया है, जबकि 8 पर्यटकों की तलाश जारी है।

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, '29 मई की रात चूबोमबु के पास हुए इस हादसे से मैं बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।' उन्होंने बताया कि पुलिस, फायर और मेडिकल टीमें, और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहत टीमें भी अब इस अभियान में शामिल हो गई हैं। हमारी सरकार पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और बचाव कार्य के लिए सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस दुख की घड़ी में हम सब एकजुट होकर प्रभावित लोगों का साथ दें।' पुलिस ने इलाके को सील कर दिया है और पर्यटकों से इस रास्ते पर तब तक यात्रा न करने की अपील की है, जब तक स्थिति सामान्य न हो जाए। हादसे के कारण और मृतक व घायलों की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

तीस्ता नदी सिक्किम और पश्चिम बंगाल की एक प्रमुख नदी है, जो हिमालय की गोद में शुरू होती है। यह नदी सिक्किम के खूबसूरत पहाड़ों और घाटियों से होकर बहती है और अपने रास्ते में कई गांवों और कस्बों को जोड़ती है। तीस्ता अपनी तेज धारा और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है, लेकिन यह अपने खतरनाक रास्तों के लिए भी जानी जाती है। बरसात के मौसम में इसका जलस्तर बढ़ जाता है, जिससे आसपास के इलाकों में खतरा बढ़ जाता है। पर्यटकों के बीच तीस्ता नदी रिवर राफ्टिंग और प्राकृतिक नजारों के लिए भी बहुत लोकप्रिय है।

काराकाट में पीएम मोदी बोले

विकास, सुरक्षा और सामाजिक न्याय पर जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के काराकाट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कई अहम मुद्दों पर बात की। उन्होंने भोजपुरी में जनता को प्रणाम करते हुए कहा कि बिहार की मेहनती जनता के लिए उनका सम्मान सर्वोपरि है। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है, जो राज्य के विकास की नई दिशा दिखाते हैं।

मोदी ने पाकिस्तान पर तीखा हमला किया और ऑपरेशन सिंदूर तरकश को बताया जो आतंकवाद के खिलाफ भारत की ताकत का उदाहरण है। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाजों की बहादुरी को सलाम किया और बीते दिनों शहीद हुए बीएसएफ सब इंस्पेक्टर इम्तियाज को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पूरी तरह जारी है और दुश्मन को उसकी हरकतों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

पीएम ने बिहार में नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले 100 से ज्यादा जिले नक्सल प्रभावित थे, जो अब घटकर केवल 18 रह गए हैं। विकास की वजह से अब गांव–गांव तक शांति और सुरक्षा पहुंच रही है।

उन्होंने बिहार के इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारों की भी तारीफ की। पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन और दरभंगा एयरपोर्ट का निर्माण इसका उदाहरण हैं। रेलवे नेटवर्क भी आधुनिक हो रहा है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। बिजली उत्पादन में भी काफी वृद्धि हुई है, और अब बिहार को ग्रीन एनर्जी की ओर बढ़ाया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस और आरजेडी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार के गरीब, पिछड़ों और दलितों को धोखा दिया। उनके कार्यकाल में सामाजिक न्याय का वादा खोखला साबित हुआ। उन्होंने कहा कि अब बिहार प्रगति के रास्ते पर है और इसका श्रेय वहां के मेहनती लोगों को जाता है।

इस जनसभा में पीएम मोदी ने बिहार के विकास, सुरक्षा और सामाजिक न्याय को लेकर अपने संकल्प दोहराए, जो आगामी विधानसभा चुनावों के लिए संदेश भी हैं।

एसएक्स-4 कार में लगी आग परिवार ने कूद कर बचाई जान

हाईवे पर कार में लगी आग को बुझाते हुए फायर ब्रिगेड के कर्मचारी।

वायरिंग में लगी आग से कार धूं धूं कर जल गई

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर छटीकरा और जैंत के बीच अचानक वायरिंग शॉर्ट होने से एक कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार परिवार के लोगों ने किसी तरह कार से कूद कर जान बचाई। कुछ ही देर में कार धूंधूं कर जल गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने आग को बुझाया, लेकिन उस समय तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। नौहझील के रहने वाले बच्चू सिंह अपनी पत्नी व बेटी के साथ मथुरा से एसएक्स-4 कार से आज दोपहर को नौहझील जा रहे थे। रास्ते में हाईवे पर जैंत और छटीकरा के बीच कार की वायरिंग में अचानक आग लग गई। कार में आग लगने का पता लगने पर बच्चू सिंह ने कार को रोका और पत्नी व बेटी के साथ तेजी के साथ कार से उतर गए। इनके उतरते ही आग तेज हो गई। देखते ही देखते कार धूंधूं कर जलने लगी। कार को जलते देख हाईवे पर कुछ समय के लिए वाहनों के पहिए थम गए। फायर ब्रिगेड को भी फोन किया गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने कार में लगी आग को बुझा दिया। गनीमत रही कि कार में लगी आग से किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई।

बीएड प्रवेश परीक्षा एक जून को पांच परीक्षा केंद्रों पर होगी

परीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा आयोजित बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2025 की तैयारियों के संबंध में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। परीक्षा जनपद के 05 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। जनपद में 5 परीक्षा केंद्रों में सेठ बी०एन०पोद्दार इंटर कॉलेज कैण्ट रेलवे स्टेशन, वी.डी.पी. राजकीय इंटर कालेज जनरलगंज, महाराजा अग्रसेन गर्ल्स इंटर कॉलेज गांधी पार्क डोरी बाजार, चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज भरतपुर गेट तथा डी०ए०वी०इंटर कॉलेज वृन्दावन गेट मसानी तिराहा है। 1 जून को दो पालियों में प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक प्रथम पाली तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक द्वितीय पाली में परीक्षा होगी। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी द्वारा आयोजित बी०एड० संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2025 में 2483 अभ्यर्थी शामिल होंगे। शान्ति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिकोण से 3 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 5 स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। बैठक में डिप्टी कलेक्टर वैभव गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर राज कुमार भास्कर, डिप्टी कलेक्टर नरेंद्र कुमार यादव, डिप्टी कलेक्टर प्रीति जैन, क्षेत्राधिकारी नगर भूषण वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का समापन

यूनिक समय, मथुरा। विद्या भारती ब्रज प्रदेश द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का समापन 30 मई को उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। मथुरा स्थित कृष्ण चंद्र गांधी सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ। इस वर्ग में ब्रज प्रांत के 85 शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में डोमेश्वर साहू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिशु शिक्षा के मूल तत्वों पर प्रकाश डाला। वर्ग में क्रिया, खेल एवं व्यवहार आधारित शिक्षण पद्धतियों पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान 36 सत्रों में 24 प्रशिक्षकों ने मार्गदर्शन किया। देव दर्शन योजना के अंतर्गत प्रतिभागियों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि, प्रेम मंदिर एवं चारधाम का दर्शन किया। "हमारा प्रयास" पत्रिका का लोकार्पण संगठन मंत्री हरीशंकर ने किया। समापन पर शिक्षिकाओं ने पर्यावरण, आदर्श घर एवं मोबाइल के दुष्प्रभाव जैसे विषयों पर लघु नाटिकाएं प्रस्तुत कीं, जिनसे रचनात्मकता एवं मूल्यपरक चिंतन झलका।

मीना जाति के प्रमाण पत्र पर स्थिति स्पष्ट

समाज कल्याण अधिकारी ने सौंपी जांच रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में मीना जाति के लोग रोजगार की तलाश में राजस्थान से आकर बसे हैं और पीढ़ियों से यहीं रह रहे हैं। हालांकि, इन लोगों को राज्य में जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जाते, जिससे उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस मुद्दे को लेकर प्रगतिशील मीना समाज कल्याण समिति ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें 2015 तक छाता तहसील से मीना जाति के प्रमाण पत्र जारी होने की जानकारी दी गई थी। समिति ने यह भी सवाल उठाया कि जब पहले जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए थे, तो अब क्यों नहीं किए जा रहे। इस पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी से जांच रिपोर्ट मांगी। समाज कल्याण अधिकारी की रिपोर्ट में बताया गया कि छाता तहसील से जारी किए गए प्रमाण पत्र तहसीलदार हिण्डोन सिटी, जिला करौली की आख्या पर आधारित थे। इसके अलावा, मीना जाति उत्तर प्रदेश की अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल नहीं है और न ही यह राज्य के डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर दर्ज है। इस स्थिति में मीना जाति के लोगों को जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए राज्य सरकार से नीति परिवर्तन की आवश्यकता है, ताकि इन लोगों को उनके अधिकार मिल सकें।

अहिल्याबाई : सेवा, न्याय और संस्कृति की त्रिवेणी : सुधांशु

प्रमुख संवाददाता

पांचजन्य प्रेक्षागृह में आयोजित सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, महापौर विनोद अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव एवं विधायक मेघश्याम सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत आयोजित भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से पांचजन्य प्रेक्षागृह में आयोजित सम्मेलन को राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संबोधित किया। कहा "भारत की गौरवशाली परंपरा में जब हम किसी शासक या प्रशासक की बात करते हैं, तो प्रायः पुरुषों के नाम ही स्मरण में आते हैं। लेकिन अहिल्याबाई होल्कर एक ऐसी युग प्रवर्तक महिला थीं, जिन्होंने अपने शासनकाल में न केवल धर्म, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों की रक्षा की, बल्कि प्रशासनिक दक्षता, न्यायप्रियता और लोककल्याणकारी शासन का एक आदर्श प्रस्तुत किया। अहिल्याबाई ने जनभागीदारी, धर्म-सहिष्णुता और समावेशिता के सिद्धांतों को शासन का आधार बनाया। उन्होंने न केवल भारत के कोने-कोने में धर्मस्थलों का जीर्णोद्धार कराया, बल्कि स्थानीय संस्कृति और शिल्प को भी प्रोत्साहन दिया। उनकी दृष्टि में 'राज्य' केवल शासन का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का दायित्व था आज जब हम भारत को 'विकसित राष्ट्र' की ओर ले जाने का संकल्प ले रहे हैं, तब हमें अहिल्याबाई जैसी विभूतियों से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिनका नेतृत्व लोकमंगल के लिए था, न कि केवल सत्ता प्राप्ति के लिए। "डॉ. त्रिवेदी ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी का यह प्रयास, इस स्मृति अभियान के माध्यम से, भारत की उस संस्कृति को पुनः जागृत करना है, जो त्याग, तपस्या, सेवा और न्याय के मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने इतिहास को जानें, और उन नायकों की प्रेरणा से अपने वर्तमान और भविष्य को सशक्त बनाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर विनोद अग्रवाल ने की। उन्होंने रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, उनके आदर्शों और राज्य संचालन की कुशलता पर प्रकाश डाला। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर केवल एक शासक नहीं थीं, वे एक युगद्रष्टा थीं। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी, ब्लॉक प्रमुख पन्नालाल गौतम, पूर्व अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर, पूर्व जिला अध्यक्ष डीपी गोयल, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष हीरा सिंह कुंतल, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री पवन हिंडोल आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन कुंज बिहारी चतुर्वेदी ने किया।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053